सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार
" सार्वजनिक रूप से की गई आलोचना अपमान में बदल जाती है ।।
और ....एकांत में बताने पर सलाह बन जाती है...!!
अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–230 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, मंगलवार 08 सितंबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

राज्यपाल डेका ने न्यायाधिपति कृष्ण राम महापात्र को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पद की दिलाई शपथ

महापात्र छत्तीसगढ़ के 16 वें मुख्य न्यायाधीश होंगे

नई दृष्टिबिंदु / 00000

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने न्यायाधिपति कृष्ण राम महापात्र को आज लोकभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम में उच्च न्यायालय, छत्तीसगढ़ के मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ दिलाई। इसके पूर्व श्री कृष्ण राम महापात्र उड़ीसा हाईकोर्ट के वरिष्ठ जज के पद पर कार्यरत थे। राज्यपाल डेका ने मुख्य न्यायाधीश कृष्ण राम महापात्र को राष्ट्रपति द्वारा जारी मूल वारंट की प्रति सौंपी। राज्यपाल ने मुख्य न्यायाधीश महापात्र को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

राज्यपाल श्री डेका ने न्यायाधिपति कृष्ण राम महापात्र को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पद की दिलाई शपथ इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री तोखन साहू, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व

राज्यपाल श्री रमेश बैस, राज्य सभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, विधायक सुनील सोनी, अनुज शर्मा एवं अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

राज्यपाल श्री डेका ने न्यायाधिपति श्री कृष्ण राम महापात्र को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पद की दिलाई शपथ समारोह में मुख्य न्यायाधीश श्री महापात्र की धर्मपत्नी श्रीमती अनिता महापात्र सहित छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के न्यायाधीशगण उपस्थित थे। शपथ ग्रहण समारोह का संचालन प्रदेश के मुख्य सचिव श्री विकास शील द्वारा किया गया तथा उन्होंने राष्ट्रपति द्वारा जारी वारंट का वाचन किया। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू, प्रमुख सचिव गृह विभाग श्रीमती निहारिका बारिक, पुलिस महानिदेशक अरूण देव गौतम, राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना, महाधिवक्ता विवेक शर्मा, उच्च न्यायालय बिलासपुर के रजिस्ट्रार जनरल रजनीश श्रीवास्तव सहित राज्य शासन के वरिष्ठ अधिकारीगण एवं हाईकोर्ट के अधिवक्तागण उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि श्री महापात्र छत्तीसगढ़ के 16 वें मुख्य न्यायाधीश होंगे।

जातिगत जनगणना का मौजूदा प्रारूप दोषपूर्ण, सरकार की नीयत साफ नहीं : नाना पटोले

पटोले ने कहा कि गलत आंकड़ों से "जितनी आबादी उतना हक", आरक्षण समीक्षा, शिक्षा, छात्रवृत्ति, रोजगार और कल्याण योजनाओं में हिस्सेदारी तय करना कमजोर होगा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नाना भाऊ पटोले ने कहा कि जातिगत जनगणना के मौजूदा प्रारूप में मूलभूत कमियां हैं, जिससे मोदी सरकार की नीयत साफ नहीं दिखती।

शनिवार को रायपुर में प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज और नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत की मौजूदगी में पत्रकार वार्ता में पटोले ने कहा कि कांग्रेस इस प्रारूप को खारिज करती है। मांग है कि प्रश्नावली रद्द कर तेलंगाना और बिहार की तर्ज पर जातियों की प्रमाणित ड्रॉपडाउन सूची के आधार पर नई प्रश्नावली तैयार कर पारदर्शी जनगणना कराई जाए।

उन्होंने कहा कि 40 सवालों में सवाल नंबर 10 में ओपन-एंडेड विकल्प रखा गया है, जबकि ड्रॉपडाउन सूची जरूरी थी। ओपन-एंडेड में नागरिक जो नाम बताएगा, वही स्पेलिंग सहित दर्ज होगा। एक ही जाति क्षेत्रीय बोली, उपनाम, वतर्नी के कारण कई नामों में दर्ज होगी, लाखों नाम बनेंगे और डेटा अव्यवहारिक हो जाएगा। प्रारूप में 'पिछड़ा वर्ग' शब्द तक नहीं है, इससे OBC-EBC की सही संख्या सामने नहीं आएगी।

पटोले ने कहा कि गलत आंकड़ों से "जितनी आबादी उतना हक", आरक्षण समीक्षा, शिक्षा, छात्रवृत्ति, रोजगार और कल्याण योजनाओं में हिस्सेदारी तय करना कमजोर होगा। उन्होंने कहा कि केंद्र-राज्यों के पास 4200 जातियों की सूची पहले से है। 1 जून की बैठक में सामाजिक न्याय मंत्रालय ने ठउइउ की डइउ सूची साझा करने की बात कही थी, पर फ्क्क्क ने मसौदे में दर्ज नहीं किया। 2021 में सरकार ने खुद सुप्रीम कोर्ट में हलफनामे में ड्रॉपडाउन जरूरी बताया था।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे और राहुल गांधी ने 20 अगस्त को ढट को पत्र लिखकर आपत्ति दर्ज कराई है।

संगीत नगरी खैरागढ़ में वार्ड आरक्षण तय, 20 वार्डों में 4 महिला आरक्षित

दिग्गजों के चेहरे पर मायूसी, अध्यक्ष पद पहले ही अनारक्षित महिला के लिए आरक्षित है

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

आगामी नपा चुनाव से पहले वार्डों की तस्वीर साफ हो गई है। कलेक्टर सभाकक्ष में प्रभारी कलेक्टर व जिला पंचायत सीईओ प्रेम कुमार पटेल की मौजूदगी में 4 चरणों में 20 वार्डों का आरक्षण लॉट से तय किया गया। अध्यक्ष पद पहले ही अनारक्षित महिला के लिए आरक्षित है।

SC के 3 वार्ड: वार्ड 14 संत रविदास वार्ड सोनेसरार (रउ मुक्त), वार्ड 15 सुभाष चंद्र बोस वार्ड अमलीडीह खुर्द (रउ मुक्त), वार्ड 20 सिविल लाइन-खम्हरिया (रउ महिला)

ST का 1 वार्ड: वार्ड 4 राज फैमिली अकेला रळ के लिए स्वतः आरक्षित

OBC के 6 वार्ड: वार्ड 2 रानी अवंती बाई पिपरिया (डइउ मुक्त), वार्ड 3 गंजीपारा (डइउ मुक्त), वार्ड 6 बरेठपारा (डइउ मुक्त), वार्ड 19 गोकुलनगर (डइउ मुक्त), वार्ड 8 तुरकारीपारा (डइउ महिला), वार्ड 17 दाऊचौरा (डइउ महिला)

अनारक्षित 10 वार्ड: वार्ड 1 पिपरिया, 10 गुरु घासीदास लालपुर, 16 शहीद निकेश यादव दाऊचौरा, 18 डॉ. भीमराव अंबेडकर वार्ड (अनारक्षित महिला) - वार्ड 5 ठाकुरपारा, 7 महावीर स्वामी गोलबाजार, 9 इतवारी बाजार, 11 शीतला मंदिर किल्लापारा/धरमपुरा, 12 अमलीपारा, 13 दीनदयाल उपाध्याय धनेली (अनारक्षित मुक्त)

इस दौरान अपर कलेक्टर सुरेन्द्र ठाकुर, संयुक्त कलेक्टर सुमन राज, डिप्टी कलेक्टर पूजा पिंचा, देवेश साहू, एसडीएम अविनाश ठाकुर, नपा अध्यक्ष गिरजा नंद चंद्राकर, उपाध्यक्ष रज्जाक खान, कांग्रेस जिलाध्यक्ष कोमल दास साहू मौजूद रहे। आरक्षण के बाद दावेदारों की सक्रियता बढ़ने के आसार हैं।

वार्ड आरक्षण की तैयारी शुरू, कला मंदिर में होगी आरक्षण प्रक्रिया

निगम आयुक्त सुरूचि सिंह ने अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए

नई दृष्टिबिंदु /भिलाईनगर।

नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में आगामी वार्ड आरक्षण की प्रक्रिया को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। वार्ड आरक्षण की प्रक्रिया 09 सितम्बर 2026, बुधवार को पूर्वान्ह 11.00 बजे कला मंदिर, सिविक सेंटर सेक्टर-06 में आयोजित की जाएगी। प्रक्रिया को व्यवस्थित एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए निगम प्रशासन द्वारा आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

निगम आयुक्त सुरूचि सिंह ने अधिकारियों को बैठक स्थल पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि आरक्षण प्रक्रिया के दौरान आम नागरिकों एवं पत्रकारों के लिए अलग से बैठने की व्यवस्था की जाए, ताकि पूरी प्रक्रिया को सुगम तरीके से देखा और समझा जा सके। नगर निगम प्रशासन द्वारा वार्ड आरक्षण की प्रक्रिया को पूरी पारदशिर्ता के साथ संपन्न कराने की तैयारी की जा रही है। बैठक स्थल पर आवश्यक व्यवस्थाओं के साथ प्रक्रिया के दौरान उपस्थित नागरिकों एवं मीडिया प्रतिनिधियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाएगा।

मां की हत्या, पिता ने छुपाया सबूत 24 घंटे में दोनों गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / सारंगढ़-बिलाईगढ़।

थाना कोसीर क्षेत्र के ग्राम डड़ाईडीह में अपनी ही मां की हत्या करने वाले बेटे और साक्ष्य छुपाने वाले पिता को पुलिस ने 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। दिनांक 05.09.2026 को प्रार्थी संपत बरेठ ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी पत्नी ब्रितबाई घर पर मृत मिली है। मर्ग क्रमांक 24/26 कायम कर ऋछ टीम के साथ जांच, पीएम कराया गया। पीएम में सिर व शरीर पर गंभीर चोटों से मृत्यु होना पाया गया। गांव वालों ने 04.09.2026 को पति-पुत्र द्वारा झगड़ा-मारपीट की आवाज सुनना बताया। पूछताछ में आरोपी सोहन बरेठ (24) ने बताया कि 04.09.2026 को घर खर्च को लेकर पिता से विवाद हुआ, मां द्वारा पिता का पक्ष लेने पर गुस्से में उसे पीछे आंगन में ले जाकर फरवा लकड़ी, पीढ़ा और ठोस सामान से बुरी तरह पीटा, जिससे वहीं मौत हो गई। खून मिटाने के लिए बाल्टी से पानी डालकर धोया और मां को छोड़कर सो गया।

नेटिजन बनने से पहले सिटिजन बनें युवा : प्रो. संजय द्विवेदी

साहित्यायन, दिल्ली की प्रथम व्याख्यानमाला में हुआ गंभीर विमर्श

नई दृष्टिबिंदु / नई दिल्ली

भारतीय जन संचार संस्थान के पूर्व महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी का कहना है कि डिजिटल मीडिया मनुष्य के लिए एक उपयोगी साधन है, लेकिन उसे जीवन का विकल्प नहीं बनने देना चाहिए। युवाओं को तकनीक का उपयोग ज्ञान-सृजन, संवाद, शिक्षा, रोजगार और अवसरों के विस्तार के लिए करना चाहिए। उन्होंने कहा कि डिजिटल माध्यमों पर बढ़ती निर्भरता के बीच मौलिक चिंतन, मानवीय संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी को सुरक्षित रखना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

वे यहां साहित्य, कला और संस्कृति के संवर्धन के लिए गठित संस्था ह्यसाहित्यायनह्ण की प्रथम व्याख्यानमाला को आनलाइन संबोधित कर रहे थे। ह्यडिजिटल मीडिया और युवा जीवन-दृष्टिह्ण विषय पर आयोजित इस व्याख्यानमाला में प्रो. द्विवेदी ने कहा कि यह समय वर्नाकुलर, वॉइस और वीडियो है। डिजिटल क्रांति ने भारतीय भाषाओं के सामने अभूतपूर्व संभावनाएँ उत्पन्न की हैं। डिजिटल माध्यमों के कारण भाषा और लिपि की अनेक बाधाएँ समाप्त हुई हैं। भारतीय भाषाओं का साहित्य, सिनेमा, रंगमंच, कला और सांस्कृतिक ज्ञान आज वैश्विक पटल पर उपलब्ध है।

प्रो. द्विवेदी ने कहा कि प्रत्येक वायरल सूचना सत्य नहीं होती। किसी संदेश, समाचार अथवा वीडियो को

साझा करने से पहले उसके स्रोत, संदर्भ, सत्यता और विश्वसनीयता की जाँच करना आवश्यक है। युवाओं को केवल डिजिटल उपभोक्ता नहीं बल्कि जिम्मेदार डिजिटल नागरिक बनना होगा। उन्होंने मीडिया साक्षरता की आवश्यकता रेखांकित करते हुए कहा, ह्लबुरा मत टाइप करो, बुरा मत लाइक करो और बुरा मत शेयर करो।ह्व बिना सत्यापन के सामग्री प्रसारित करने की प्रवृत्ति व्यक्ति और समाज-दोनों के लिए हानिकारक हो सकती है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ गहरी जिम्मेदारी भी जुड़ी है। असहमति व्यक्त करना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है, लेकिन किसी का अपमान करना, घृणा फैलाना, उत्पीड़न करना और भ्रामक सूचना प्रसारित करना उचित डिजिटल व्यवहार नहीं है। डिजिटल दुनिया में निजता एक महत्त्वपूर्ण नागरिक मूल्य है।

मीडिया साक्षरता जरूरी

कृत्रिम बुद्धिमत्ता की संभावनाओं और चुनौतियों पर चर्चा करते हुए प्रो. द्विवेदी ने कहा कि अकने शिक्षा, अनुवाद, भाषा-परिष्कार, कंटेंट निर्माण, वॉइस रिकॉग्निशन, विज्ञापन और संचार के क्षेत्र में नए अवसर प्रदान किए हैं। इसके साथ ही मनुष्य की मौलिकता, आलोचनात्मक चिंतन और रचनात्मक श्रम के सामने गंभीर चुनौतियाँ भी खड़ी हुई हैं। मशीन पर अत्यधिक निर्भरता मनुष्य की चिंतन-क्षमता को कमजोर कर सकती है। युवाओं को तकनीक का स्वामी बनना चाहिए, उसका गुलाम नहीं। डीपफेक और कृत्रिम रूप से निर्मित सामग्री के खतरों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि अकके युग में सूचना की जाँच पहले से अधिक आवश्यक हो गई है। किसी व्यक्ति की आवाज, तस्वीर अथवा वीडियो को कृत्रिम रूप से बदलकर समाज को भ्रमित किया जा सकता है। इसलिए विद्यालय से लेकर उच्च शिक्षा तक मीडिया एवं सूचना साक्षरता को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए।

इल्म से शायरी नहीं होती

मानवीय संवेदना को रचनात्मकता का आधार बताते हुए प्रो. द्विवेदी ने अकबर इलाहाबादी का शेर उद्धृत किया- दर्द को दिल में जगह दो अकबर, इल्म से शायरी नहीं होती। उन्होंने कहा कि श्रेष्ठ तकनीक, भाषा और उपकरण उपलब्ध होने के बावजूद रचना तब तक प्रभावशाली नहीं बन सकती, जब तक उसमें मनुष्य के दुख, संघर्ष और संवेदनाओं की अभिव्यक्ति न हो। उनका कहना था कि बहुभाषिकता भारत की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी सांस्कृतिक शक्ति और गौरव है। कार्यक्रम के आरंभ में स्वागत वक्तव्य देते हुए पीजीडीएवी कॉलेज (सांध्य), दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और साहित्यायन के संरक्षक व मार्गदर्शक प्रो. हरीश अरोड़ा ने कहा कि ह्यसाहित्यायनह्ण का उद्देश्य केवल साहित्य अथवा भाषा तक सीमित रहना नहीं है। यह संस्था भाषा, साहित्य, कला और संस्कृति को समन्वित रूप से आगे बढ़ाते हुए विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों तथा समाज के बीच संवाद स्थापित करेगी। उन्होंने कहा कि संस्था ऑनलाइन कार्यक्रमों के साथ भविष्य में प्रत्यक्ष कार्यक्रमों का भी आयोजन करेगी। कार्यक्रम का संचालन दिल्ली विश्वविद्यालय के शोधार्थी अविरल अभिलाष मिश्र ने किया। आयोजन में डॉ. प्रभाकर कुमार, दिनेश कौशिक, साक्षी, हंसराज, सहदेव सिंह, नितेश कुमार पांडेय, हरीश चौधरी, राजेंद्र पाल, रेशमी कुमारी, प्रवीण त्रिपाठी, विश्वानी मिश्रा, शुभम शास्त्री और लव कुमार पांडेय की संयोजन समिति की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही।

जवाहर मार्केट के उन्नयन कार्य को लेकर व्यापारियों एवं निगम अधिकारियों की बैठक

व्यापारियों से उनकी समस्याओं एवं अपेक्षाओं पर चर्चा करते हुए आवश्यक सुझाव भी प्राप्त किए गए

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर।

जवाहर मार्केट के समुचित एवं व्यवस्थित उन्नयन को लेकर मार्केट के व्यापारियों एवं नगर पालिक निगम भिलाई के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जवाहर मार्केट के विकास एवं उन्नयन कार्य से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

बैठक में वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, महापौर नीरज पाल, नगर निगम भिलाई आयुक्त सुरुचि सिंह, जोन 3 अध्यक्ष जालंधर सिंह, वार्ड क्रमांक 38 पार्षद पियूष मिश्रा, वार्ड क्रमांक 37 के पार्षद मन्नान गफ्फार खान, परियोजना कार्यपालन अभियंता नितेश मेश्राम एवं चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष अजय भसीन, सहायक अभियंता श्वेता वर्मा, उप अभियंता रीमा जामुलकर, व्यापारी संघ पदाधिकारी सहित निगम के अधिकारी तथा जवाहर मार्केट के व्यापारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान मार्केट के वतर्मान स्वरूप, व्यापारियों की आवश्यकताओं तथा नागरिकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए उन्नयन कार्य को बेहतर एवं व्यवस्थित रूप से पूर्ण करने के संबंध में सुझाव लिए गए। व्यापारियों से उनकी समस्याओं एवं अपेक्षाओं पर चर्चा करते हुए आवश्यक सुझाव भी प्राप्त किए गए। जनप्रतिनिधियों एवं निगम अधिकारियों ने कहा कि जवाहर मार्केट के उन्नयन का उद्देश्य व्यापारियों के साथ-साथ आम नागरिकों को भी बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। मार्केट में आवश्यक मूलभूत सुविधाओं, सुव्यवस्थित आवागमन एवं बेहतर वातावरण को ध्यान में रखते हुए विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा। बैठक में प्राप्त सुझावों एवं आवश्यकताओं के आधार पर जवाहर मार्केट के उन्नयन कार्य को योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने पर सहमति बनी।

गांजा मांगने को लेकर विवाद, बीच-बचाव करने पहुंची दो महिलाओं पर हंसिया से हमला

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

ग्राम देवबलोदा में नशे का सामान मांगने को लेकर हुए विवाद के बाद बीच-बचाव करने पहुंची दो महिलाओं पर धारदार हथियार से हमला करने वाले आरोपी को पुरानी भिलाई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने महिलाओं पर हंसिया से वार कर उन्हें घायल कर दिया था। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त हंसिया जब्त कर आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार 5 सितंबर की रात करीब 10 बजे देवबलोदा बाजार चौक में विजय कुमार रात्रे (28) अपने साथी उमेश अग्रवाल के साथ बैठा था। इसी दौरान गांव का देवकुमार ठाकुर (23) वहां पहुंचा और विजय से गांजा मांगने लगा। गांजा नहीं होने की बात कहने पर आरोपी ने विवाद करते हुए विजय के साथ मारपीट और गाली-गलौज की। उसने पास पड़ी टाइल्स से भी हमला करने का प्रयास किया।

विवाद बढ़ने पर विजय और उसके साथी ने बचाव में आरोपी को धक्का दे दिया। इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए अपने घर गया और वहां से घरेलू उपयोग का हंसिया लेकर वापस आया। हथियार लहराते हुए धमकी देने पर विजय की नानी लता अग्रवाल, मां सरस्वती रात्रे और बहन माया चंदेल बीच-बचाव करने पहुंचीं। इसी दौरान आरोपी ने लता अग्रवाल के सिर और सरस्वती रात्रे के दाहिने हाथ पर हंसिया से वार कर दिया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।

टाइटन-फास्ट्रैक की नकली घड़ियां बेचने वाला दुकानदार गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग।

इंदिरा मार्केट में टाइटन और फास्ट्रैक कंपनी के नाम का दुरुपयोग कर नकली घड़ियां बेचने वाले दुकानदार को दुर्ग कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दुकान से 280 नग नकली घड़ियां, फास्ट्रैक के 275 नकली टैग और घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन जब्त किया है।

इंदिरा मार्केट की दुकान पर पुलिस की दबिश, 280 नकली घड़ियां और 275 टैग जब्त

पुलिस के अनुसार 5 सितंबर को टाइटन कंपनी की ओर से ब्रांडेड घड़ियों की असली-नकली जांच एवं कार्रवाई के लिए अधिकृत गौरव तिवारी, निवासी द्वारका, नई दिल्ली ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि इंदिरा मार्केट स्थित सत कबीर वाच का संचालक लंबे समय से टाइटन और फास्ट्रैक के नाम का इस्तेमाल कर नकली घड़ियां बेच रहा है। शिकायत और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने शाम करीब 6 बजे दुकान पर दबिश दी। जांच के दौरान बड़ी संख्या में टाइटन और फास्ट्रैक के नाम वाली घड़ियां और फास्ट्रैक के टैग मिले।

पुलिस ने 280 नकली घड़ियां और 275 नकली टैग जब्त किए।

आरोपी की पहचान कमलेश निर्मलकर (41) निवासी पंचशील नगर, वार्ड-1, दुर्ग के रूप में हुई। पुलिस ने उसके खिलाफ अपराध क्रमांक 0483/2026 में कॉपीराइट अधिनियम 1957 की धारा 63 और बीएनएस की धारा 318(4) के तहत अपराध दर्ज कर गिरफ्तार किया है।

पुलिस के मुताबिक आरोपी प्रसिद्ध ब्रांड के नाम और ट्रेडमार्क का दुरुपयोग कर नकली घड़ियों को असली बताकर बेचता था।

45 प्रशिक्षु उप निरीक्षकों को अपराध विवेचना का दिया प्रशिक्षण

घटनास्थल निरीक्षण, साक्ष्य संकलन और तकनीकी संसाधनों के इस्तेमाल पर जोर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग।

पुलिस लाइन दुर्ग के प्रशासनिक भवन स्थित दधीचि प्रशिक्षण हॉल में 6 सितंबर को 45 प्रशिक्षु उप निरीक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें आपराधिक प्रकरणों की विवेचना को तथ्यात्मक, साक्ष्य आधारित और तकनीकी रूप से प्रभावी बनाने के संबंध में व्यावहारिक जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण के दौरान महिला संबंधी अपराध, मर्ग जांच, गुम इंसान, शिकायत, आबकारी अधिनियम, समंस-वारंट तामीली, स्थायी एवं गिरफ्तारी वारंट तथा प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की विवेचना की प्रक्रिया समझाई गई। अधिकारियों ने घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण करने, आसपास के लोगों के बयान दर्ज करने, सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन करने और दस्तावेजी साक्ष्यों के आधार पर विवेचना करने के महत्वपूर्ण पहलुओं पर जानकारी दी।

ई-साक्ष्य और ICJS के उपयोग की जानकारी

प्रशिक्षु उप निरीक्षकों को ई-साक्ष्य एप, क्व्रखर और CCTNS जैसे तकनीकी संसाधनों के प्रभावी इस्तेमाल का प्रशिक्षण दिया गया। ई-साक्ष्य एप में आईडी निर्माण, ICJS से आवश्यक रिकॉर्ड प्राप्त करने तथा उउळठर में IF-11 फॉर्म अपडेट करने की प्रक्रिया बताई गई।

इसके अलावा पोस्टमार्टम रिपोर्ट (ढट रिपोर्ट) के अध्ययन, बॉडी के बाहरी एवं आंतरिक परीक्षण से संबंधित चिकित्सकीय तथ्यों को समझने और उन्हें अन्य साक्ष्यों से जोड़कर विवेचना करने के तरीके बताए गए। अपराध में प्रयुक्त हथियारों की खरीदी-बिक्री और संबंधित गतिविधियों की जांच में तकनीकी संसाधनों तथा जीपीआरएस डेटा के उपयोग पर भी जानकारी दी गई।

पुलिस अधिकारियों ने प्रशिक्षुओं को बताया कि मजबूत विवेचना के लिए घटनास्थल से मिले प्रत्येक साक्ष्य का वैज्ञानिक तरीके से संकलन और विश्लेषण जरूरी है। कार्यक्रम में पुलिस लाइन के अधिकारी-कमर्चारी समेत 45 प्रशिक्षु उप निरीक्षक उपस्थित रहे।

नशे में स्कूल और यात्री बस चलाते मिले दो चालक, बसें जब्त

चीखली चौक पर जांच के दौरान पकड़े गए, दोनों को न्यायालय भेजा गया

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग।

सड़क सुरक्षा अभियान के तहत यातायात पुलिस ने सोमवार को चीखली चौक पर वाहन जांच के दौरान नशे की हालत में बस चलाते दो चालकों के खिलाफ कारर्वाई की। पुलिस ने दोनों बसों को जब्त कर चालकों को न्यायालय में पेश करने के लिए भेजा है। इनमें एक कृष्णा पब्लिक स्कूल की बस और दूसरी दुर्ग से कवर्धा चलने वाली यात्री बस है। यातायात पुलिस के अनुसार 7 सितंबर को चीखली चौक पर बस चालकों की जांच की जा रही थी। इस दौरान कृष्णा पब्लिक स्कूल की बस क्रमांक उत्र्07 उळ0968 के चालक को नशे की हालत में वाहन चलाते पाया गया। इसी जांच के दौरान दुर्ग रोडवेज की यात्री बस क्रमांक उत्र्07 ए 1762 का चालक भी नशे की हालत में बस चलाते मिला।

दोनों मामलों में यातायात पुलिस ने बसों को जब्त कर चालकों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की। दोनों चालकों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए भेजा गया है।

यातायात पुलिस ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ लगातार जांच अभियान चलाया जा रहा है। स्कूल बस और यात्री बस चालकों की जांच पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि स्कूली बच्चों और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

पुलिस ने वाहन चालकों और बस संचालकों से अपील की है कि नशे की स्थिति में वाहन न चलाएं। स्कूल एवं यात्री बस संचालक भी यह सुनिश्चित करें कि चालक पूरी तरह नशामुक्त और सुरक्षित अवस्था में ही वाहन चलाएं।

पत्थर से युवक की हत्या का आरोपी दो साल बाद पलवल से गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

हथखोज स्थित बीईसी कंपनी के पीछे वर्ष 2024 में युवक की हत्या के मामले में करीब दो साल से फरार आरोपी को पुरानी भिलाई पुलिस ने हरियाणा के पलवल से गिरफ्तार किया है। आरोपी सोनू उर्फ इंद्रपाल सिंह (27) निवासी ग्राम कोलहुवा, थाना बेन, जिला नालंदा (बिहार) घटना के बाद लगातार ठिकाने बदलकर फरारी काट रहा था। पुलिस ने उसे 5 सितंबर को पलवल से गिरफ्तार किया। न्यायालय से उसे 7 सितंबर तक ट्रांजिट रिमांड पर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, 15 सितंबर 2024 को निकेश यादव अपने दोस्त नरेन्द्र नवरंगे और आयुष गायकवाड़ के साथ नया मोबाइल किस्त में खरीदने जा रहा था। मोबाइल दिलाने की बात कहकर जितेन्द्र वर्मा ने उन्हें छावनी आने के लिए कहा। रास्ते में एसीसी चौक के पास जितेन्द्र अपने साथियों सोनू और सुमीत जायसवाल के साथ मिला। इसके बाद सभी हथखोज स्थित बीईसी कंपनी के पीछे पहुंचे। वहां शराब पीने को लेकर नरेन्द्र का आरोपियों से विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने उसके साथ हाथ-मुक्के से मारपीट की। बीच-बचाव करने पर निकेश और आयुष को भी धमकाया गया। इसी दौरान जितेन्द्र वर्मा ने बेल्ट से नरेन्द्र पर हमला किया। बेल्ट टूटने के बाद उसने पास पड़े भारी पत्थर से नरेन्द्र के सिर पर वार कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद सभी आरोपी फरार हो गए।

मामले की जांच में जितेन्द्र वर्मा, सोनू और सुमीत जायसवाल की संलिप्तता सामने आई। जितेन्द्र वर्मा के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर न्यायालय उसे आजीवन कारावास की सजा सुना चुका है। वहीं सोनू उर्फ इंद्रपाल सिंह के खिलाफ स्थायी वारंट जारी था। वारंट की तामिली और फरार आरोपी की तलाश के दौरान पुलिस को उसके हरियाणा के पलवल में छिपे होने की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस टीम ने पलवल पहुंचकर उसे गिरफ्तार कर लिया।

कत्लखाने ले जाए जा रहे 15 मवेशी बरामद, यूपी के दो आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / धामधा

नंदिनी क्षेत्र से सागर (मध्यप्रदेश) स्थित कत्लखाने ले जाए जा रहे 15 मवेशियों को धमधा पुलिस ने बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से मवेशियों के परिवहन में इस्तेमाल आइसर वाहन भी जब्त किया गया है। पुलिस के अनुसार मवेशियों को वाहन में पर्याप्त चारा-पानी के बिना ठूंस-ठूंसकर क्रूरतापूर्वक ले जाया जा रहा था।

पुलिस को 5 सितंबर को मुखबिर एवं गौसेवक से सूचना मिली थी कि धमधा की ओर एक आइसर वाहन में बड़ी संख्या में मवेशियों को अवैध तरीके से ले जाया जा रहा है। सूचना पर धमधा पुलिस ने बस स्टैंड स्थित साहू होटल के सामने घेराबंदी की। इसी दौरान वाहन क्रमांक UP 83 ET 3857 वहां पहुंचा। चालक ने वाहन को आगे ले जाने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर उसे रोक लिया।

वाहन की तलाशी लेने पर डाले में हरे रंग की तिरपाल से ढके हुए 3 पड़वा और 12 भैंस समेत कुल 15 मवेशी मिले। पूछताछ में वाहन चालक शिवशंकर (35) और उसके साथी परविंद कुमार (42) दोनों निवासी ग्राम खेरिया सिकमी गोहाना, थाना फरिहा, जिला फिरोजाबाद (उत्तरप्रदेश) ने मवेशियों को नंदिनी क्षेत्र से सागर स्थित कत्लखाने ले जाने की बात बताई।

पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ कृषिक पशु परिरक्षण अधिनियम, 2004 एवं पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जब्त मवेशियों का स्वास्थ्य परीक्षण कराने के बाद सुरक्षित रख-रखाव के लिए पशु चिकित्सालय धमधा भेजा गया है। पुलिस मामले में अन्य संलिप्त लोगों की भी जांच कर रही है।

कार्रवाई के दौरान प्रशिक्षु उप निरीक्षक सत्यवान राठौर, आरक्षक अरुण चौहान और चालक आरक्षक यशवंत साहू की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने नागरिकों से पशुओं के अवैध या क्रूरतापूर्वक परिवहन की सूचना तत्काल पुलिस को देने तथा कानून हाथ में न लेने की अपील की है।

सूर्या मॉल चौक पर अवैध होर्डिंग-बैनर को लेकर निगम सख्त

कार्रवाई से पहले ही व्यवसायियों ने हटाए पोस्टर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के प्रमुख एवं व्यस्ततम सूर्या मॉल चौक पर सड़क किनारे लगे अवैध होर्डिंग, बैनर एवं पोस्टरों को लेकर निगम ने कार्रवाई शुरू कर दी है। व्यवसायियों एवं अन्य एजेंसियों द्वारा सड़क किनारे लगे विद्युत एवं अन्य पोल पर बिना अनुमति प्रचार सामग्री लगाए जाने से जहां शहर की सुंदरता प्रभावित हो रही है, वहीं वाहन चालकों की दृश्यता बाधित होने के कारण सड़क दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है।

नगर निगम भिलाई के नेहरू नगर क्षेत्र के राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सड़क के पोल पर लगाए गए अवैध होर्डिंग, बैनर एवं पोस्टरों के खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी की। निगम की टीम के पहुंचने की जानकारी मिलते ही संबंधित व्यवसायियों ने स्वयं पहल करते हुए अपने लगाए गए होर्डिंग, बैनर एवं पोस्टर हटाना शुरू कर दिया। निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक स्थानों, सड़क किनारे के पोल एवं अन्य स्थानों पर बिना अनुमति प्रचार सामग्री लगाना नियमों के विपरीत है। ऐसे अवैध होर्डिंग एवं बैनर से यातायात व्यवस्था प्रभावित होने के साथ-साथ दुर्घटना की संभावना भी बढ़ सकती है।

निगम द्वारा शहर में यातायात सुगम बनाए रखने और सार्वजनिक स्थलों को अवैध प्रचार सामग्री से मुक्त रखने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। राजस्व विभाग की टीम ने व्यवसायियों को भविष्य में बिना अनुमति होर्डिंग, बैनर एवं पोस्टर नहीं लगाने की समझाइश भी दी। निगम की कार्रवाई के बाद सूर्या मॉल चौक क्षेत्र में लगे कई अवैध प्रचार सामग्री को हटाया गया, जिससे सड़क एवं चौक का स्वरूप भी अधिक व्यवस्थित नजर आया।

बस स्टैंड के पास गांजा बेचने आया महाराष्ट्र का युवक गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग।

दुर्ग। दुर्ग बस स्टैंड के यात्री प्रतीक्षालय के पास गांजा बेचने की फिराक में घूम रहे महाराष्ट्र निवासी एक आरोपी को पदमनाभपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 2.520 किलोग्राम गांजा, 540 रुपए नकद और मोबाइल फोन समेत कुल 1,26,540 रुपए की सामग्री जब्त की गई है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर उसे न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। पुलिस के अनुसार 6 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दुर्ग बस स्टैंड स्थित यात्री प्रतीक्षालय के पास एक व्यक्ति गांजा लेकर बिक्री के लिए ग्राहक तलाश रहा है। सूचना मिलते ही पदमनाभपुर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर संदिग्ध को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम वसंत श्याम राव ओमकारे (32) निवासी अंतुले नगर, येवलेबाड़ी, थाना कोंढवा, जिला पुणे (महाराष्ट्र) बताया। उसके पास रखे काले रंग के बैग की तलाशी लेने पर गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने मौके पर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए 2.520 किलो गांजा, बिक्री के 540 रुपए और जियो भारत कंपनी का की-पैड मोबाइल जब्त किया।

जब्त गांजे की अनुमानित कीमत 1.25 लाख रुपए, मोबाइल की कीमत 1 हजार रुपए बताई गई है। इस तरह कुल जब्त सामग्री की कीमत 1,26,540 रुपए है। पुलिस के मुताबिक आरोपी दूसरे राज्य से गांजा लाकर दुर्ग बस स्टैंड जैसे सार्वजनिक स्थान के आसपास ग्राहकों की तलाश कर अवैध रूप से बिक्री के जरिए धन कमाने का प्रयास कर रहा था।

आरएसएम के तीन कामिर्कों को मिला कर्म शिरोमणि पुरस्कार

चयनित कामिर्कों को स्मृति चिह्न एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई।

भिलाई इस्पात संयंत्र के रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल (आरएसएम) विभाग में शिरोमणि पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया। शिरोमणि पुरस्कार योजना के तहत उत्कृष्ट एवं अनुकरणीय कार्य निष्पादन के लिए विभाग के तीन कामिर्कों का कर्म शिरोमणि पुरस्कार के लिए चयन किया गया।

पुरस्कृत कामिर्कों में जूनियर इंजीनियर झाबेन्द्र भूषण दास, इंजीनियरिंग एसोसिएट रोशन लाल साहू एवं इंजीनियरिंग एसोसिएट एस. भास्कर राव शामिल हैं।

समारोह में मुख्य महाप्रबंधक (आरएसएम) टी. दस्तीदार ने चयनित कामिर्कों को स्मृति चिह्न एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उनके जीवनसाथियों को भी प्रशंसा पत्र एवं मिठाई के कूपन प्रदान किए गए। दस्तीदार ने पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को बधाई देते हुए उनके उत्कृष्ट कार्य और समर्पित योगदान की सराहना की। इस अवसर पर महाप्रबंधक प्रशांत लाखे, अरविन्द टंडन, प्रशांत खोंड, एम.के. साहू, उप महाप्रबंधक आर.के. पवार एवं सुजय सिंह सहित अन्य कार्मिक उपस्थित रहे। पुरस्कार प्राप्त कामिर्कों ने कहा कि इस तरह का सम्मान उनके मनोबल को बढ़ाता है और उन्हें भविष्य में और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करता है। कर्म शिरोमणि पुरस्कार का उद्देश्य कार्यस्थल पर नवाचार, संसाधनों के बेहतर उपयोग, संगठनात्मक लक्ष्यों की पूर्ति तथा सुरक्षा मानकों के अनुरूप उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले कर्मठ एवं सृजनशील कामिर्कों को पहचान और सम्मान प्रदान करना है। कार्यक्रम के आयोजन में वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन) अनुराधा साहा, सहायक प्रबंधक इतवारी राम चेलक, अतिरिक्त श्रम कल्याण अधिकारी जसबीर सिंह, राजेश बाबू एवं भुवन साहू का विशेष योगदान रहा।चाहें तो मैं इसका दैनिक भास्कर शैली का 150-200 शब्दों का छोटा संस्करण और 3 आकर्षक शीर्षक भी दे सकता हूं।

श्याम गुप्ता बने भिलाई बागेश्वर कसौंधन वैश्य समाज के अध्यक्ष

आमसभा में कोषाध्यक्ष कृष्णा गुप्ता ने आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई।

श्री बागेश्वर कसौंधन वैश्य समाज भिलाई की आमसभा में सर्वसम्मति से श्याम गुप्ता को नया अध्यक्ष चुना गया। सभा की अध्यक्षता भिलाई अध्यक्ष सुनील गुप्ता ने की।

आमसभा में कोषाध्यक्ष कृष्णा गुप्ता ने आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। समाज के सामाजिक भवन निर्माण को लेकर सांसद और क्षेत्रीय विधायक से संपर्क करने के प्रस्ताव पर चर्चा हुई।चुनाव में श्याम गुप्ता के अध्यक्ष चुने जाने पर समाजजनों ने फूल-मालाओं से स्वागत कर बधाई दी। इस अवसर पर वरिष्ठ संरक्षक धनीराम गुप्ता, संयोजक राजेंद्र गुप्ता, योगेश गुप्ता, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शारदा प्रसाद गुप्ता, सुभाष गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष नमित गुप्ता, बालचंद गुप्ता, राजेश गुप्ता, मन्नू गुप्ता, आर डी गुप्ता, सुशील गुप्ता सहित बड़ी संख्या में सदस्य मौजूद रहे।महिला इकाई से अध्यक्ष नीतू गुप्ता, सचिव अल्का गुप्ता, कोषाध्यक्ष नेहा गुप्ता, सलाहकार सुनीता दिनेश गुप्ता सहित पदाधिकारी उपस्थित रहीं।

खास खबर

ओबीसी समाज को अधिकार और अवसर देने का काम मोदी सरकार ने किया : साहू

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर।

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं सांसद श्री साहू ने कहा कि केंद्र की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने ओबीसी समाज को सम्मान, अधिकार और अवसर देने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उन्होंने बताया कि ओबीसी आरक्षण के लिए निर्धारित आय सीमा को 6 लाख रुपए से बढ़ाकर 8 लाख रुपए सालाना किया गया है, जिससे अधिक से अधिक पात्र परिवारों को आरक्षण का लाभ मिल सके।

> ओबीसी समाज के लोगों से एकजुट होकर संगठन को मजबूत बनाने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया

उन्होंने कहा कि ओबीसी समुदाय की छोटी-बड़ी सभी जातियों तक आरक्षण का लाभ समान रूप से पहुंचाने के उद्देश्य से न्यायमूर्ति रोहिणी आयोग का गठन किया गया। वर्ष 2021 में नीट के ऑल इंडिया कोटा के तहत एमबीबीएस और पीजी सीटों में ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण लागू किया गया। इसके परिणामस्वरूप हर वर्ष करीब 4 हजार ओबीसी युवाओं को मेडिकल शिक्षा के माध्यम से डॉक्टर बनने का अवसर मिल रहा है श्री साहू ने कहा कि 105वें संविधान संशोधन के माध्यम से राज्य सरकारों को अपनी ओबीसी सूची तैयार करने का अधिकार वापस दिया गया। उन्होंने इसे सामाजिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि यही वास्तविक अर्थों में सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास है। उन्होंने ओबीसी समाज के लोगों से एकजुट होकर संगठन को मजबूत बनाने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री अजय जामलाल, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, प्रदेश ओबीसी मोर्चा प्रभारी लखन साहू, प्रदेश अध्यक्ष ओबीसी मोर्चा अशोक साहू सहित भाजपा संगठन के पदाधिकारी, ओबीसी मोर्चा के कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में समाज के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

तीज के रंग में रंगा रायपुर प्रेस क्लब, महिला पत्रकारों ने रैंप वॉक से बिखेरी छत्तीसगढ़ी संस्कृति की छटा

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, राज्यसभा सदस्य लक्ष्मी वर्मा और विधायक भावना बोहरा विशेष रूप से शामिल हुईं

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर प्रेस क्लब में महिला पत्रकारों के लिए तीज महोत्सव का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ किया गया। पारंपरिक छत्तीसगढ़ी परिधानों में सजी महिला पत्रकारों ने रैंप वॉक, खेल-प्रतियोगिताओं और विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों में हिस्सा लेकर तीज की खुशियां साझा कीं। आयोजन में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, राज्यसभा सदस्य श्रीमती लक्ष्मी वर्मा और विधायक श्रीमती भावना बोहरा विशेष रूप से शामिल हुईं।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने महिला पत्रकारों का उत्साह बढ़ाते हुए विभिन्न गतिविधियों में सहभागिता की। उन्होंने पारंपरिक छत्तीसगढ़ी अंदाज में रैंप वॉक भी किया। सिर पर पल्लू लेकर उनके सहज और सादगीपूर्ण अंदाज ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। इस दौरान परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। राज्यसभा सदस्य श्रीमती लक्ष्मी वर्मा और विधायक श्रीमती भावना बोहरा ने भी महिला पत्रकारों के साथ रैंप वॉक कर कार्यक्रम की रौनक बढ़ाई। जनप्रतिनिधियों की आत्मीय सहभागिता से महिला पत्रकारों का उत्साह और बढ़ गया।

पारंपरिक परिधानों में दिखा आत्मविश्वास

महोत्सव का प्रमुख आकर्षण रैंप वॉक रहा। महिला पत्रकारों ने पारंपरिक परिधानों में सादगी, सौंदर्य और आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रस्तुतियां दीं। छत्तीसगढ़ी संस्कृति और तीज की परंपराओं से सजे इस आयोजन ने पूरे परिसर को उत्सवी रंग में रंग दिया। तीज महोत्सव के दौरान महिला पत्रकारों के लिए विभिन्न मनोरंजक खेल और प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। हंसी-मजाक और मस्ती के बीच महिला पत्रकारों ने आयोजन का भरपूर आनंद उठाया।

महिला पत्रकारों के योगदान की सराहना

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि तीज छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा और महिलाओं के उल्लास से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। रायपुर प्रेस क्लब द्वारा महिला पत्रकारों के लिए तीज महोत्सव का आयोजन सराहनीय पहल है। महिलाएं पत्रकारिता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाते हुए समाज की आवाज को मजबूती से सामने रखने का काम कर रही हैं। ऐसे आयोजन उन्हें व्यस्त कार्यदायित्वों के बीच आपसी संवाद और आत्मीयता के साथ उत्सव मनाने का अवसर देते हैं। राज्यसभा सदस्य श्रीमती लक्ष्मी वर्मा ने तीज को महिलाओं की खुशियों, आत्मीयता और सांस्कृतिक परंपराओं का पर्व बताया तथा महिला पत्रकारों को शुभकामनाएं दीं। विधायक श्रीमती भावना बोहरा ने कहा कि महिला पत्रकार समाज के महत्वपूर्ण मुद्दों को सामने लाने में अहम भूमिका निभा रही हैं। ऐसे आयोजन आपसी सहभागिता और सौहार्द को मजबूत करते हैं।

महिला पत्रकारों को दिए रिटर्न गिफ्ट

कार्यक्रम के समापन पर सभी महिला पत्रकारों को रिटर्न गिफ्ट प्रदान किए गए। उपहार पाकर महिला पत्रकारों में उत्साह देखने को मिला। तीज के पारंपरिक रंग, रैंप वॉक, खेल-प्रतियोगिताओं और आत्मीय मेलजोल ने पूरे प्रेस क्लब परिसर को उत्सव के माहौल में बदल दिया।

कार्यक्रम में रायपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष श्री मोहन तिवारी, महासचिव श्री गौरव शर्मा, उपाध्यक्ष श्री दिलीप साहू, कोषाध्यक्ष श्री दिनेश यदु, संयुक्त सचिव श्रीमती निवेदिता साहू एवं श्री भूपेश जांगड़े सहित श्रीमती अमृता शर्मा, श्रीमती प्रियंका कौशल, श्रीमती मीनल शर्मा, श्रीमती आकांक्षा दुबे, श्रीमती विनीता मंडल, श्रीमती सोनल भारद्वाज, श्रीमती सुजाता साहा, श्रीमती अंबिका मिश्रा सहित बड़ी संख्या में महिला पत्रकार एवं प्रेस क्लब सदस्य उपस्थित रहे।अगर चाहें तो इसे मैं दैनिक भास्कर शैली में 250-300 शब्दों की ज्यादा धारदार अखबारी खबर में भी कर सकता हूं।

बुजुर्गों को कराई जा रही देश के 31 चयनित तीर्थ स्थलों की यात्रा

रायपुर। तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत प्रदेश के बुजुर्गों को देश के चयनित 31 प्रमुख तीर्थ स्थलों की यात्रा कराई जा रही है। योजना के माध्यम से बुजुर्गों को धार्मिक स्थलों के दर्शन का अवसर मिल रहा है। इस अवसर पर विधायक मोतीलाल साहू सहित रमेश सिंह ठाकुर, भगतराम हरबंस, चंद्रशेखर शुक्ला, टेकेश्वर चंद्रा, धीरेन्द्र परगनिहा, देवा साहू, ओमप्रकाश मरावी, मनोज जोशी, मैक मिलन साहू, मोर माटी सांस्कृतिक संगठन के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

वैभव लक्ष्मी दुबे बनीं 'बीएमडीसी प्राइड', कावेरी व महिमा रहीं उपविजेता

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई।

भिलाई प्रबंधन विकास केंद्र (बीएमडीसी) द्वारा ट्रेड अप्रेंटिस के बीच सीखने, नवाचार, आत्मविश्वास और व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ह्यबीएमडीसी प्राइड प्रतियोगिताह्न के द्वितीय संस्करण का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में अप्रेंटिस ने बीएमडीसी में अपने कार्यकाल के दौरान किए गए कार्यों, अर्जित सीख और योगदान को प्रस्तुति के माध्यम से साझा किया।

प्रतियोगिता का उद्देश्य अप्रेंटिस के बीच ज्ञान साझा करने, कौशल विकास तथा प्रदर्शन आधारित सहभागिता को प्रोत्साहित करना था। विभिन्न चरणों के विजेता को ह्यबीएमडीसी प्राइडह्न की उपाधि के साथ चलित प्राइड बॉज-परफॉर्मेंस, रिस्पॉन्सिबिलिटी एंड इनिशिएटिव इन डेवलपमेंट एक्सीलेंस, प्रमाण-पत्र एवं उपहार प्रदान किए जाते हैं। प्रतियोगिता की परिकल्पना बीएमडीसी के महाप्रबंधक (एचआर-एलएंडडी) सौरभ वर्ष्णेय ने की। इसे विभागाध्यक्ष एवं महाप्रबंधक प्रभारी (एचआर-एलएंडडी) संजीव कुमार श्रीवास्तव का अनुमोदन एवं सहयोग प्राप्त हुआ निर्णायक मंडल में उप महाप्रबंधक (एएंडडी) स्वाति प्रदीप, सहायक महाप्रबंधक (एसपी-3) अरुणेश शर्मा एवं उप प्रबंधक (पीआरडी) शालिनी चौरसिया शामिल रहीं। प्रतिभागियों का मूल्यांकन नवाचार, सीख, कार्य निष्पादन, ज्ञान साझाकरण, प्रस्तुतीकरण कौशल और आत्मविश्वास सहित विभिन्न मानकों पर किया गया। प्रतियोगिता में वैभव लक्ष्मी दुबे ने प्रथम स्थान प्राप्त कर ह्यबीएमडीसी प्राइडह्न की उपाधि हासिल की। कावेरी सिंधे प्रथम उपविजेता और महिमा ठाकुर द्वितीय उपविजेता रहीं। पुरस्कार वितरण समारोह में विजेता एवं उपविजेताओं को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। समारोह का संचालन के. शिवा ने किया।

नवा रायपुर में जुटेंगे देशभर के गोल्फर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

नवा रायपुर एक बार फिर पेशेवर गोल्फ के रोमांच का गवाह बनने जा रहा है। डीपी वर्ल्ड प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) के तहत ह्यनवा रायपुर ओपन 2026ह्न का आयोजन 15 से 18 सितंबर तक फेयरवे गोल्फ एंड लेक रिजॉर्ट, नवा रायपुर में किया जाएगा। छत्तीसगढ़ सरकार के सहयोग से आयोजित इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में एक करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि दांव पर होगी। प्रतियोगिता में देशभर से 132 पेशेवर गोल्फर हिस्सा लेंगे। इनमें भारत के कई शीर्ष गोल्फर शामिल हैं। टूर्नामेंट में सप्तक तलवार, हनी बैसोया, वीर अहलावत, अक्षय शर्मा, खालिन जोशी, राशिद खान और मनु गंडास जैसे चर्चित खिलाड़ी अपनी चुनौती पेश करेंगे। मध्यप्रदेश के महू के जाने-माने गोल्फर ओम प्रकाश चौहान भी प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे।

चार दिवसीय इस प्रतियोगिता को लेकर गोल्फ प्रेमियों में खासा उत्साह है। देश के शीर्ष पेशेवर खिलाड़ियों की मौजूदगी से नवा रायपुर में गोल्फ का रोमांच अपने चरम पर रहने की उम्मीद है। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी और बड़ी पुरस्कार राशि के लिए मुकाबला होगा। नवा रायपुर ओपन 2026 के आयोजन से प्रदेश में पेशेवर गोल्फ को बढ़ावा मिलने के साथ ही नवा रायपुर को राष्ट्रीय स्तर पर खेल आयोजन के प्रमुख केंद्र के रूप में पहचान मिलने की उम्मीद है।चाहें तो मैं इसे दैनिक भास्कर की शैली में और ज्यादा आकर्षक हेडिंग, इंट्रो और 2-3 बॉक्स के साथ भी तैयार कर सकता हूं।

बुलेट से स्टंट कर रील बनाने वाला चालक नशे में पकड़ा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई।

जामुल थाना क्षेत्र में देर रात बुलेट से स्टंटबाजी कर रील बनाने और शराब के नशे में वाहन चलाने वाले चालक के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने उसके पांच साथियों को भी शराब के नशे में पाए जाने पर आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की। इसके अलावा बिना नंबर प्लेट और काले शीशे वाली थार के खिलाफ भी मोटरयान अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।

पुलिस के अनुसार 7 सितंबर की रात करीब 2 बजे जामुल क्षेत्र में बुलेट क्रमांक उत्र्र 04 ट 3982 पर तीन युवक सवार होकर तेज रफ्तार में वाहन चला रहे थे। बुलेट में तेज आवाज वाला मॉडिफाइड साइलेंसर लगा था और युवक स्टंटबाजी करते हुए रील बना रहे थे। इससे दुर्घटना की आशंका बनी हुई थी।

पुलिस स्टाफ ने तत्काल बुलेट को रोककर चालक की जांच की। चालक पवन तिवारी, निवासी हाउसिंग बोर्ड जामुल, शराब के नशे में वाहन चलाते मिला। उसके खिलाफ थाना जामुल में अपराध क्रमांक 646/2026 के तहत धारा 281 बीएनएस तथा धारा 184, 185 मोटरयान अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।

वहीं थार वाहन में नंबर प्लेट नहीं होने, काले शीशे/फिल्म लगाने और आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर मोटरयान अधिनियम की संबंधित धाराओं में कार्रवाई की गई।

पुलिस ने बताया कि देर रात सार्वजनिक सड़क पर तेज रफ्तार, स्टंटबाजी और मॉडिफाइड साइलेंसर के जरिए रील बनाने से अन्य वाहन चालकों और राहगीरों की जान खतरे में पड़ सकती है। पुलिस ने युवाओं से शराब पीकर वाहन नहीं चलाने तथा सड़क पर स्टंटबाजी से बचने की अपील की है।

पांच साथी भी नशे में पहुंचे थाना

घटना के करीब पांच मिनट बाद काले रंग की बिना नंबर प्लेट वाली थार से कुछ युवक थाना परिसर पहुंचे। पुलिस ने उनका अल्कोहल परीक्षण कराया तो पांचों शराब के नशे में मिले। सार्वजनिक स्थान पर शराब सेवन कर नशे की हालत में पाए जाने और लोक शांति भंग करने के मामले में अंश कुमार (22), नमन पगार (19), अमित कुमार जयसवार (20), नितिन शर्मा (23) और आर्यन मिश्रा (21) के खिलाफ धारा 36(च) आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।

पठारीडीह हत्याकांड : पुलिस के दबाव में 3 फरार आरोपियों ने किया सरेंडर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

थाना उरला क्षेत्र के ग्राम पठारीडीह में हुए सनसनीखेज हत्याकांड में फरार 3 आरोपियों ने पुलिस के बढ़ते दबाव में आत्मसमर्पण कर दिया। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और थाना उरला, खमतराई, धरसींवा, सिलतरा की संयुक्त टीम लगातार दबिश दे रही थी। मामला ग्राम पठारीडीह का है। मर्ग जांच में मृतक की पहचान मोहन निषाद पिता स्व. रामप्रसाद निषाद के रूप में हुई। जांच में पता चला कि मृतक और दामाद हेमराज निषाद उर्फ भूरी में पारिवारिक विवाद होता था। हेमराज ने साथी रोहित निषाद और संजय चौहान उर्फ मोरध्वज के साथ साजिश रचकर घर में घुसकर हत्या कर दी। साक्ष्य छिपाने के लिए शव को जीआई तार से बांधकर चादर में लपेटकर टाटा मैजिक में ले जा रहे थे। ग्राम परसतराई थाना धरसींवा के पास पुलिस को देखकर वाहन छोड़कर फरार हो गए थे। वाहन से शव बरामद हुआ था। मूल घटनास्थल उरला क्षेत्र होने से थाना उरला में अपराध 442/2026 धारा 103(1), 238, 3(5) इठर दर्ज हुआ।

गिरफ्तार आरोपी - 1. हेमराज निषाद उर्फ भूरी (30) निवासी रावांभाठा केंवट पारा, खमतराई 2. रोहित निषाद (19) निवासी निषादपारा रावांभाठा, खमतराई 3. संजय चौहान उर्फ मोरध्वज (31) निवासी रावांभाठा पुरानी बस्ती, खमतराईरोहित की निशानदेही पर मृतक का एक्टिवा और गमछा जप्त, टाटा मैजिक पहले ही जप्त हो चुका है।

संपादकीय

तीज : आस्था, प्रेम और परंपरा का पर्व

तीज केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति में नारी की आस्था, प्रेम, त्याग और आत्मीयता का प्रतीक है। सावन की हरियाली के बीच मनाया जाने वाला यह पर्व परिवार और समाज में खुशियों के रंग भरता है। विशेष रूप से छत्तीसगढ़ में तीज का अपना अलग सांस्कृतिक महत्व है। महिलाएं इस अवसर पर व्रत रखकर भगवान शिव और माता पावर्ती की पूजा करती हैं तथा अपने परिवार की सुख-समृद्धि और पति की दीर्घायु की कामना करती हैं। तीज का संबंध केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है। यह पर्व मायके और ससुराल के रिश्तों को भी मजबूत करता है। बेटियों को मायके बुलाने, उन्हें स्नेह और उपहार देने की परंपरा इस पर्व को भावनात्मक रूप से और भी खास बना देती है। लोकगीत, झूले, मेहंदी, श्रृंगार और पारंपरिक पकवान तीज की खुशियों को दोगुना कर देते हैं।

बदलते समय के साथ पर्व मनाने के तौर-तरीकों में बदलाव जरूर आया है, लेकिन इसकी मूल भावना आज भी कायम है। आधुनिक जीवन की भागदौड़ में जब रिश्तों के लिए समय कम होता जा रहा है, तब ऐसे पर्व हमें अपनी जड़ों और अपनों से जुड़ने का अवसर देते हैं। तीज हमें यह भी याद दिलाती है कि हमारी संस्कृति की वास्तविक शक्ति हमारी परंपराओं के साथ-साथ आपसी प्रेम और सम्मान में है। हालांकि किसी भी धार्मिक व्रत को निभाते समय स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी जरूरी है। परंपराओं का सम्मान करते हुए बदलते समय और व्यक्तिगत स्वास्थ्य की परिस्थितियों के अनुरूप पर्व मनाया जाना चाहिए। आज जरूरत है कि तीज की परंपरा को केवल रीति-रिवाज के रूप में नहीं, बल्कि महिला सम्मान, पारिवारिक एकता और सामाजिक सद्भाव के संदेश के रूप में आगे बढ़ाया जाए। तीज की हरियाली हमारे जीवन में भी प्रेम, विश्वास और खुशियों की हरियाली लेकर आए—यही इस पर्व की सार्थकता है।

'गुरुजी' से 'शिक्षाकर्मी' तक : एक शब्द का सफर और गुरु की गरिमा

डॉ.सोनाली चक्रवर्ती

भारतीय संस्कृति में गुरु को ब्रह्मा, विष्णु, महेश से भी ऊपर माना गया है – गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णु...। गाँव की चौपाल पर धोती–कुर्ता पहने, कंधे पर झोला टांगे जो व्यक्ति आता था, उसे पूरा गाँव सम्मान से ह्यगुरुजीह्ल कहता था। वह केवल पढ़ाता नहीं था, वह संस्कार गढ़ता था। पर पिछले तीन दशकों में इस ह्यगुरुजीह्ल शब्द के साथ एक नया प्रशासनिक शब्द जुड़ा – ह्यशिक्षाकर्मीह्ल। क्या इस शब्द ने गुरु की गरिमा को कम किया? इसे समझने के लिए इतिहास और भाव दोनों को देखना होगा।

शिक्षाकर्मी व्यवस्था का इतिहास भारत में इस व्यवस्था की शुरुआत राजस्थान से हुई। 1984 में किशनगढ़ और दूदू ब्लॉक में एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में ह्यशिक्षा कर्मी परियोजनाह्ल शुरू हुई, जिसे 1987 में भारत सरकार और स्वीडन की रक्ऊअ एजेंसी के सहयोग से दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में लागू किया गया। उद्देश्य था – जहाँ सरकारी शिक्षक जाने को तैयार नहीं, वहाँ स्थानीय युवाओं से कम मानदेय पर पढ़वाया जाए।

छत्तीसगढ़ में यह शब्द 1997 से अस्तित्व में आया। तब यह क्षेत्र अविभाजित मध्यप्रदेश का हिस्सा था। मध्यप्रदेश पंचायत शिक्षा कर्मी नियम, 1997 के तहत पंचायतों के अधीन नियुक्त होने वाले शिक्षकों को ह्यशिक्षाकर्मीह्ल कहा गया। सन् 2000 में छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद यही व्यवस्था यहाँ भी जारी रही, जिसे 2007 में ह्यछत्तीसगढ़ पंचायत शिक्षा कर्मी नियमह्ल के रूप में संशोधित किया गया। लगभग 20 साल के संघर्ष के बाद 1 जुलाई 2018 को तत्कालीन सरकार ने लगभग डेढ़ लाख शिक्षाकमिर्यो का स्कूल शिक्षा विभाग में संविलियन कर उन्हें ह्यशिक्षक (एल.बी. संवर्ग)ह्ल का दर्जा दिया। इस प्रकार शिक्षाकर्मी का एक लंबा अध्याय समाप्त हुआ।

शब्द ने कैसे बदली धारणा!

'गुरु' बनाम 'कर्मी' : 'गुरुजी' में आत्मीयता, श्रद्धा और वात्सल्य है, जबकि 'शिक्षाकर्मी' एक विशुद्ध प्रशासनिक और श्रमिक–बोधक शब्द है। 'कर्मी' लगते ही शिक्षक 'राष्ट्र–निर्माता' से 'संविदा कमर्चारी' बन गया।

आर्थिक–सामाजिक भेद: शुरुआत में शिक्षाकमिर्यो को 800–1500 रुपये जैसे अल्प मानदेय पर रखा गया। हमारे समाज में वेतन को प्रतिष्ठा से जोड़कर देखा जाता है। कम वेतन, संविदा और नियमितीकरण के लिए लगातार आंदोलन ने उनकी छवि को ह्यअसंतुष्ट कमर्चारी' की बना दी, जबकि नियमित शिक्षक ह्यसरकारी गुरुजी' बने रहे।

स्थानीय राजनीति का हस्तक्षेप: भर्ती ग्राम पंचायत स्तर पर होने से योग्यता पर सवाल और राजनीतिक दखल के आरोप भी लगे, जिसने पद की गरिमा को ठेस पहुँचाई।

फिर भी, गुरुजी तो गुरुजी ही हैं

सिक्के का दूसरा पहलू अधिक उज्ज्वल है। जहाँ सरकारी शिक्षक जाने से कतराते थे, उन सुदूर आदिवासी और पहाड़ी गाँवों में शिक्षा की लौ इन्हीं शिक्षाकमिर्यो ने जलाई। बस्तर के घने जंगलों में या सरगुजा के टोलों में अगर आज कोई बच्चा वणर्माला लिख पा रहा है, तो वह इसी व्यवस्था की देन है। मेरे व्यक्तिगत विचार से गुरु और शिष्य का संबंध सरकारी आदेश से नहीं बनता। कक्षा में बैठे बच्चे को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि पढ़ाने वाला पूर्ण वेतनमान पर है या संविदा पर। बच्चा तो उसके पढ़ाने के ढंग, उसके व्यक्तित्व और उसकी आँखों में अपने लिए दिखने वाले प्रेम से प्रभावित होता है। आज संविलियन के बाद पदनाम बदल गया है, पर गाँव आज भी निष्ठावान शिक्षक को ह्यगुरुजीह्ल ही कहता है। क्योंकि गुरु की गरिमा उसके वेतन–पर्ची में नहीं, उसके समर्पण में है।

एक नई चिंताजनक प्रवृत्ति

आजकल एक और चिंताजनक प्रवृत्ति देखने में आ रही है। छोटी–छोटी बातों पर माता–पिता सीधे स्कूल पहुँचकर शिक्षक की शिकायत करने लगते हैं। बच्चे को थोड़ा डांट दिया, होमवर्क ज्यादा दे दिया, या कक्षा में खड़ा कर दिया – इसी पर हंगामा। यह सवर्था गलत है। इससे बच्चे के मन में गुरु के प्रति अवज्ञा का भाव आता है और शिक्षक का मनोबल टूटता है। हमें समझना होगा कि अनुशासन भी शिक्षा का ही हिस्सा है। गुरु अगर डांट रहा है तो वह द्वेष से नहीं, आपके बच्चे को बेहतर बनाने के लिए डांट रहा है। यदि हर बात पर हम शिक्षक को कठघरे में खड़ा करेंगे, तो कल हमारे बच्चे किसी की सुनेंगे ही नहीं।

अंततः यह माता–पिता का कर्तव्य है कि वे बच्चों के मन में यह बोध जगाए रखें कि सामने खड़ा व्यक्ति शिक्षाकर्मी नहीं, गुरु है। जब तक यह भाव जीवित है, तब तक गुरु की महिमा कभी कम नहीं होगी।

विष्णु भैया की कल्याणकारी पहल से महिलाओं को मिला संबल, गिरिजा देवी के जीवन में आई खुशहाली

जब घर की छोटी-बड़ी जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने हाथ में कुछ राशि हो, तो मन में एक अलग ही आत्मविश्वास आता है। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि मेरे लिए इसी आत्मविश्वास और सहारे का माध्यम बनी है।

कोरबा जिले के पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड के ग्राम पोड़ी की रहने वाली श्रीमती गिरिजा देवी महतारी वंदन योजना का लाभ लेकर अपने परिवार की जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा कर रही हैं। योजना के तहत मिलने वाली नियमित आर्थिक सहायता ने उनके घरेलू जीवन को आसान बनाया है और बच्चों की देखभाल एवं पोषण में भी मददगार साबित हो रही है। लाभार्थी गिरिजा देवी बताती हैं, ह्लमहतारी वंदन योजना की राशि हर महीने मेरे खाते में आती है। अब 31वीं किश्त की राशि भी मेरे खाते में आ गई है। यह राशि मेरे लिए बहुत उपयोगी है। इससे मैं घर की जरूरी चीजें खरीदती हूं और बच्चों के पोषण एवं उनकी जरूरतों पर भी खर्च करती हूं। पहले छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी परिवार पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन अब अपने पास कुछ राशि होने से मैं खुद परिवार की जरूरतों में सहयोग कर पाती हूं। वह आगे कहती हैं, ह्लमुझे खुशी है कि छत्तीसगढ़ सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए ऐसी योजना चला रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु भैया की इस कल्याणकारी योजना से हम जैसी महिलाओं को अपने परिवार के लिए कुछ करने का अवसर और आत्मविश्वास मिला है। नियमित रूप से मिलने वाली राशि हमारे लिए एक बड़ा संबल है। इससे मैं घर-परिवार की जिम्मेदारियों को पहले से बेहतर तरीके से निभा पा रही हूं और धीरे-धीरे आत्मनिर्भर बनने की ओर बढ़ रही हूं।

श्रीमती गिरिजा देवी के लिए महतारी वंदन योजना की हर किश्त केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि अपने परिवार की जरूरतों को पूरा करने का भरोसा और अपने पैरों पर खड़े होने का आत्मविश्वास बन रही है।

हनुमान अंश : वह फिल्म जिसने दर्शकों को श्रद्धालु बना दिया

महेन्द्र तिवारी

सिनेमा की दुनिया में अक्सर माना जाता है कि किसी फिल्म की सफलता बड़े सितारों, भारी बजट और व्यापक प्रचार पर निर्भर करती है। लेकिन हनुमान अंश ने इस धारणा को बदल दिया है। संत नीम करौली बाबा के जीवन और उनकी करुणा, सेवा तथा भक्ति पर आधारित यह फिल्म दशर्कों के दिलों को ऐसी गहराई से छू रही है कि इसे वर्ष की सबसे प्रेरणादायक फिल्मों में गिना जा रहा है। मात्र सीमित साधनों में बनी यह रचना आज जन आस्था और संवेदना की मिसाल बन गई है।

फिल्म की सबसे बड़ी ताकत इसकी सादगी है। इसमें चमत्कारों का शोर नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर बसे प्रेम और सेवा के भाव को प्रमुखता दी गई है। यही कारण है कि दर्शक इसे केवल एक कहानी के रूप में नहीं, बल्कि आत्मिक अनुभव के रूप में देख रहे हैं। कई सिनेमाघरों से ऐसे दृश्य सामने आए जहाँ फिल्म समाप्त होने के बाद लोग भावुक होकर प्रभु का नाम जपते हुए बाहर निकले।

इस फिल्म के निर्माण से जुड़ी कई अनसुनी कहानियाँ भी उतनी ही प्रेरक हैं। निर्माता अनुप्रिया नागर की आयु केवल 21 वर्ष है। अथर्शास्त्र की छात्रा रहीं अनुप्रिया ने स्वयं स्वीकार किया कि उनका उद्देश्य व्यावसायिक लाभ कमाना नहीं, बल्कि बाबा के जीवन संदेश को लोगों तक पहुँचाना था। कहा जाता है कि बाबा से जुड़े वैश्विक प्रसंगों और उनकी शिक्षाओं ने उन्हें इस फिल्म को बनाने की प्रेरणा दी।

निर्देशक विशाल चतुर्वेदी ने भी आसान रास्ता नहीं चुना। सीमित बजट के कारण अनेक दृश्यों में स्थानीय ग्रामीणों को ही कलाकार बनाया गया। गाँवों में लोगों से सहयोग माँगा गया और उन्होंने इसे रोजगार नहीं, बल्कि श्रद्धा का कार्य मानकर भागीदारी की। यही कारण है कि फिल्म के दृश्य बनावटी नहीं, बल्कि जीवंत और स्वाभाविक प्रतीत होते हैं। फिल्म की प्रामाणिकता को लेकर उठे प्रश्नों का उत्तर स्वयं नीम करौली बाबा के परिवार ने दिया। बाबा के भतीजे और परिजनों ने सार्वजनिक रूप से कहा कि फिल्म में दिखाई गई घटनाएँ लोकस्मृतियों और वास्तविक प्रसंगों पर आधारित हैं। उन्होंने यह भी बताया कि परिवार के कुछ सदस्य स्वयं इस फिल्म का हिस्सा रहे हैं, इसलिए इसमें मनगढ़ंत बातों की गुंजाइश बहुत कम है।

सबसे रोचक तथ्य इसकी सफलता की यात्रा है। आरंभिक दिनों में फिल्म को बहुत कम प्रदर्शन मिले और पहले दिन की कमाई भी बेहद साधारण रही। लेकिन दशर्कों की सकारात्मक प्रतिक्रिया ने धीरे धीरे इसे नई ऊँचाइयों तक पहुँचा दिया। मुँहजबानी प्रशंसा इतनी प्रभावी साबित हुई कि यह फिल्म बड़े बजट की कई चर्चित फिल्मों को पीछे छोड़ते हुए अभूतपूर्व लाभ अर्जित करने लगी। हनुमान अंश यह याद दिलाती है कि सच्ची कला दशर्कों पर थोपी नहीं जाती, बल्कि उनके हृदय में अपना स्थान स्वयं बना लेती है। श्रद्धा, सेवा और मानवीय संवेदना का यह संगम ही इस साधारण सी फिल्म को असाधारण बना देता है।

कविता का कोना

रुपये का रंग

मैंने देखा है रुपया, कैसे शान से चलता है, कभी रोता, कभी हँसता, कैसे रंग बदलता है।अपनों की कीमत कहाँ, बस रुपया दिखता है,
रुपये से चलती दुनिया, रुपया ही सब कुछ लगता है।
घोड़ा-गाड़ी छोड़कर अब, नोटों की सवारी है,जिसके पास रुपया ज्यादा, उसकी दुनिया न्यारी है।दर-दर कटोरा लेकर खड़े हैं कितने भिखारी, लाल बत्ती लेकर घूम रहे, देखो नेता भारी।
कोई मंदिर पर बैठा है, पुजारी बनकर ज्ञानी,कोई नोटों के आगे भूला, रिश्तों की कहानी।
माँ-बाप से बढ़कर पैसा, भाई से बढ़कर धन,रुपये के पीछे भाग रहा है, आज का हर इंसान।
ईमान बिक रहा बाजारों में, बिकते रिश्ते-नाते,नोटों की खनक सुनाई दे तो, अपने भी बन जाते।
गरीब की झोपड़ी पूछे—कब बदलेगा जमाना? अमीर की हवेली कहती—पैसा ही है खजाना।
लेकिन याद रख ऐ इंसान, पैसा साथ न जाएगा, खाली हाथ आया है तू, खाली हाथ ही जाएगा।
रुपया जीवन की जरूरत है, जीवन रुपया नहीं, रिश्तों से बढ़कर दुनिया में, कोई दौलत नहीं।
मैंने देखा है रुपया, कैसे शान से चलता है, कभी रोता, कभी हँसता, कैसे रंग बदलता है। चाहें तो मैं इसे और ज्यादा तीखी राजनीतिक-सामाजिक व्यंग्य कविता के रूप में भी लिख सकता हूँ।

कवियत्री–ममता दुबे भिलाई

कविता का कोना

कुछ रिश्ते यूँ ही रहने दीजिए

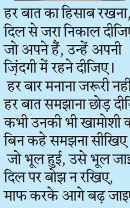

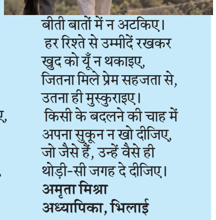

हर बात का हिसाब रखना,
दिल से जरा निकाल दीजिए,
जो अपने हैं, उन्हें अपनी
ज़िंदगी में रहने दीजिए।
हर बार मनाना जरूरी नहीं,
हर बात समझाना छोड़ दीजिए,
कभी उनकी भी खामोशी को
बिन कहे समझना सीखिए।
जो भूल हुई, उसे भूल जाइए,
दिल पर बोझ न रखिए,
माफ करके आगे बढ़ जाइए,
बीती बातों में न अटकिए।
हर रिश्ते से उम्मीदें रखकर
खुद को यूँ न थकाइए,
जितना मिले प्रेम सहजता से,
उतना ही मुस्कुराइए।
किसी के बदलने की चाह में
अपना सुकून न खो दीजिए,
जो जैसे हैं, उन्हें वैसे ही
थोड़ी-सी जगह दे दीजिए।

अमृता मिश्रा
अध्यापिका, भिलाई

विशेष लेख : मेहनत का सम्मान, समय पर मेहनताना

काम किया, मेहनत की और तय समय में मजदूरी खाते में पहुंच गई–अब परिवार की जरूरतें पूरी करने में आसानी होती है। ग्रामीण श्रमिकों के लिए समय पर मिलने वाली मजदूरी महज पारिश्रमिक नहीं, बल्कि परिवार की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने का भरोसा भी है। धमतरी जिले में वीबी–जी रामजी योजना (विकसित भारत–जी रामजी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना) के प्रभावी क्रियान्वयन ने इसी भरोसे को मजबूती दी है। योजना के तहत ग्रामीण श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने के साथ उनकी मेहनत का पारिश्रमिक निर्धारित समय–सीमा में सीधे बैंक खातों में पहुंचाया जा रहा है।

एस.आर. पाराशर
उप संचालक

01 जुलाई 2026 से अब तक जिले में 5,964 श्रमिकों को 300 रुपये प्रतिदिन की दर से कुल 53.91 लाख रुपये की मजदूरी का भुगतान किया गया है। श्रमिकों की मजदूरी राशि निर्धारित प्रावधानों के अनुसार 15 दिवस के भीतर सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की गई है। समयबद्ध भुगतान की यह व्यवस्था श्रमिकों के लिए आर्थिक सुविधा के साथ योजना के प्रति विश्वास का आधार भी बन रही है।

मेहनत की कमाई, परिवार की जरूरतों का सहारा

ग्रामीण परिवारों के लिए आय का प्रत्येक स्रोत महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में समय पर मिलने वाली मजदूरी घर की आवश्यकताओं को व्यवस्थित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। श्रमिक इस राशि का उपयोग राशन, बच्चों की पढ़ाई, घरेलू उपयोग की सामग्री और अन्य आवश्यक खर्चों के लिए कर पा रहे हैं। बैंक खाते में सीधे राशि मिलने से भुगतान प्रक्रिया सरल और पारदर्शी हुई है। इसका सकारात्मक असर केवल श्रमिक परिवारों तक सीमित नहीं है। जब गांव में ही रोजगार मिलता है और उसकी मजदूरी समय पर प्राप्त होती है, तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था में भी गतिविधियां बढ़ती हैं। स्थानीय स्तर पर आय का प्रवाह होने से छोटी-छोटी जरूरतों की पूर्ति के लिए बाजार में मांग पैदा होती है और ग्रामीण क्षेत्रों की आर्थिक गतिविधियों को गति मिलती है।

समय पर भुगतान से बढ़ा काम के प्रति उत्साह

किसी भी रोजगार योजना की सफलता का महत्वपूर्ण आधार श्रमिकों का भरोसा और उनकी भागीदारी है। समय पर मजदूरी मिलने से श्रमिकों में योजना के अंतर्गत उपलब्ध रोजगार अवसरों के प्रति रुचि बढ़ी है। उन्हें यह विश्वास मिल रहा है कि काम के बदले मिलने वाला पारिश्रमिक निर्धारित प्रक्रिया के तहत सीधे उनके खाते में पहुंचेगा।

स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध होने से श्रमिकों को काम की तलाश में दूर-दराज के क्षेत्रों में जाने की आवश्यकता भी कम होती है। इससे वे अपने परिवार और गांव से जुड़े रहते हुए आय अर्जित कर सकते हैं। योजना ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों को मजबूत करने के साथ स्थानीय विकास कार्यों में जनभागीदारी को भी बढ़ावा दे रही है।

पारदर्शिता और जवाबदेही को मिली मजबूती

जिला पंचायत धमतरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जयंत नाहटा ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप वीबी-जी रामजी योजना के अंतर्गत प्रत्येक पात्र श्रमिक को समय पर रोजगार उपलब्ध कराने और निर्धारित समय-सीमा में मजदूरी भुगतान सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। योजना के क्रियान्वयन एवं भुगतान प्रक्रिया की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है, ताकि श्रमिकों को उनकी मेहनत की राशि प्राप्त करने में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी न हो।

उन्होंने कहा कि श्रमिकों के बैंक खातों में सीधे मजदूरी हस्तांतरित होने से व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही मजबूत हुई है। प्रत्यक्ष भुगतान प्रणाली से श्रमिकों को उनकी मेहनत की कमाई समय पर मिल रही है, जिससे योजना के प्रति उनका विश्वास और भागीदारी दोनों बढ़े हैं।

रोजगार से आत्मनिर्भरता की ओर

वीबी-जी रामजी योजना ग्रामीण श्रमिकों को केवल रोजगार उपलब्ध कराने का माध्यम नहीं, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आ रही है। समय पर मजदूरी, पारदर्शी भुगतान और गांव में ही रोजगार की उपलब्धताकृइन तीनों का समन्वय ग्रामीण परिवारों के लिए आर्थिक सुरक्षा का आधार बन रहा है। धमतरी जिले में 5,964 श्रमिकों तक पहुंची 53.91 लाख रुपये की मजदूरी इस बात का प्रमाण है कि जब रोजगार के साथ मेहनत का उचित पारिश्रमिक समय पर मिलता है, तो श्रमिक के चेहरे पर संतोष के साथ उसके भीतर भविष्य के प्रति विश्वास भी पैदा होता है। यही विश्वास ग्रामीण विकास की योजनाओं को अधिक प्रभावी, सहभागी और परिणाममुखी बनाता है।

राशिफल

मेष
कामकाज में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा।

वृषभः
रुका हुआ काम पूरा होने के योग हैं। धन लाभ हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुनः नौकरी–व्यवसाय में सफलता मिलेगी। किसी पुराने परिचित से लाभ हो सकता है। खर्च पर नियंत्रण रखें।

कर्क
परिवार में सुख–शांति रहेगी। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना होगी। यात्रा के योग हैं।

सिंहः महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। धन संबंधी मामलों में लाभ मिल सकता है।

कन्या
कायर्भार बढ़ सकता है, लेकिन परिणाम आपके पक्ष में रहेंगे। निवेश में सावधानी बरतें।

तुला
व्यापार में लाभ के अवसर मिलेंगे। दांपत्य जीवन में मधुरता रहेगी। कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

वृश्चिक
मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर बन सकते हैं। अनावश्यक विवाद से बचें।

धनॅ
नई योजना पर काम शुरू कर सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार में प्रसन्नता रहेगी।

मकर
कार्यक्षेत्र में चुनौती आ सकती है, लेकिन आप स्थिति संभाल लेंगे। खर्च बढ़ सकता है।

कुंभ
दिन उत्साह से भरा रहेगा। नए संपर्क भविष्य में लाभदायक साबित होंगे। धन लाभ के योग हैं।

मीनः मन प्रसन्न रहेगा। रुके हुए कार्यो में गति आएगी। परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

पद्मा साहू राज्यपाल शिक्षक सम्मान पुरस्कार से सम्मानित

पद्मा साहू ने शिक्षण को किताबों तक सीमित न रखते हुए नवाचार पर जोर दिया

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

शासकीय प्राथमिक शाला संडी की प्रधान पाठक पद्मा घम्मन साहू को शिक्षक दिवस 5 सितंबर को लोकभवन, छत्तीसगढ़ मंडपम रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में राज्यपाल शिक्षक सम्मान से अलंकृत किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि राज्यपाल रमेन डेका, अध्यक्षता मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

पद्मा साहू ने शिक्षण को किताबों तक सीमित न रखते हुए नवाचार पर जोर दिया है। स्मार्ट क्लास, खेल-खेल में गतिविधि आधारित शिक्षण, जादुई पिटारा, मुस्कान पुस्तकालय, स्वनिर्मित टीएलएम और स्वरचित कविता-कहानियों से कक्षा को रोचक बनाया। इससे बच्चों के शैक्षणिक स्तर में सुधार और सकारात्मक वातावरण बना है।

वे विगत 5 वर्षों से एससीईआरटी में रचनादत्त मैडम के मार्गदर्शन में पाठ्यक्रम लेखन व अनुवाद में सहयोग कर रही हैं। इस वर्ष कक्षा 1 और 2 की हिन्दी पाठ्यपुस्तक में अनुवादक लेखिका के रूप में उनका नाम प्रकाशित हुआ है। 100 प्रतिशत कक्षा दक्षता और जरूरतमंद बच्चों को आगे लाने में उनकी विशेष भूमिका रही है। सम्मान मिलने पर जिला शिक्षा अधिकारी मुकुल के.पी. साव, बीईओ सुश्री नीलम राजपूत, बीआरसी सुजीत चौहान, समन्वयक प्रयाग सिंह सहित शाला परिवार, शिक्षक समुदाय और पालकों ने बधाई दी।

धान बेचने के लिए एग्रीस्टेक पंजीयन जरूरी नहीं तो नहीं बिकेगा धान : कलेक्टर

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने समय-सीमा बैठक में स्पष्ट किया कि धान विक्रय के लिए एग्रीस्टेक पंजीयन अनिवार्य है। संयुक्त खाते में सभी सह-खातेदारों का पंजीयन जरूरी है, नहीं तो मुख्य खातेदार भी धान नहीं बेच पाएगा।

कलेक्टर ने राजस्व और सीसीबी अधिकारियों को शिविर लगाकर छूटे किसानों का पंजीयन कराने को कहा। साथ ही विभागों के लंबित बिजली बिलों का भुगतान तुरंत करने के निर्देश दिए, नगरीय निकायों को हर माह किस्त जमा करने कहा ताकि बिजली न कटे।

उन्होंने राजस्व प्रकरणों के निराकरण में तेजी, ई-ऑफिस में फाइल न रोकने, बायोमेट्रिक अटेंडेंस समय पर लगाने और ई-ऌफ्टर डाटा अपडेट करने के निर्देश दिए। आयुष्मान, वयवंदन कार्ड और पेंशन योजनाओं की समीक्षा भी हुई।

बैठक में भिलाई निगम आयुक्त सुरुचि सिंह, दुर्ग निगम आयुक्त लीना कोसम, अपर कलेक्टर योगिता देवांगन, बीके दुबे सहित सभी अधिकारी मौजूद रहे।

खास खबर

महिला आयोग अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने किया बोडेना में आंगनबाड़ी केंद्र का लोकार्पण

नई दृष्टिबिंदु / बालोद/गुण्डरदेही

ग्राम पंचायत बोडेना स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक-1 का लोकार्पण 6 सितंबर को छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा) डॉ. ममता साहू के आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में डॉ. साहू ने केंद्र के 14 बच्चों को एउउए किट एवं फल वितरित किए और बच्चों से पोषण व प्रारंभिक शिक्षा पर संवाद किया। अपने संबोधन में डॉ. साहू ने कहा कि महिलाओं का शिक्षित और सशक्त होना समाज की प्रगति के लिए जरूरी है। महिलाओं को अधिकारों के प्रति जागरूक होकर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए। आंगनबाड़ी केंद्र विभागीय योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने महिलाओं से विभागीय योजनाओं का लाभ लेने और बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य व शिक्षा के प्रति जागरूक रहने की अपील की।

कार्यक्रम में नगर पालिका बालोद अध्यक्ष प्रतिभा चौधरी, जनपद सदस्य टुकेश्वरी साहू, सरपंच प्रेमी तलाम, धनाराम साहू, क्रान्तिभूषण साहू, मंडल अध्यक्ष लक्ष्मी साहू, पार्षद कांति साहू, परियोजना अधिकारी खलेश्वरी नाग, नायब तहसीलदार अल्पा साहू, संरक्षण अधिकारी हितेश्वरी मेश्राम, सेक्टर पयर्वेक्षक रीना लहरे, तामेश्वरी भुवार्य, टिकेश्वर भुवार्य सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, सहायिका व ग्रामीण उपस्थित रहे।

बालोद में गूंजा 'गोविंदा आला रे', 40 फीट ऊंची दही हांडी ने बढ़ाया रोमांच

सरदार पटेल मैदान में उमड़ा जनसैलाब, डोंगरगढ़ की गोविंदा टीम ने मारी बाजी

नई दृष्टिबिंदु / बालोद

जन्माष्टमी के पावन पर्व पर बालोद शहर का सरदार वल्लभ भाई पटेल मैदान रविवार को भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति, उमंग और उत्साह के रंग में रंगा नजर आया। कृष्ण जन्मोत्सव समिति के आयोजन में भव्य दही हांडी उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें बालोद सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। ह्यगोविंदा आला रेह्न के जयघोष, डीजे की धुन और गोविंदा टीमों के जोश से पूरा मैदान गूंजता रहा। दही हांडी उत्सव को देखने के लिए मैदान में हजारों की संख्या में दर्शक जुटे। मैदान के साथ आसपास की सड़कों पर भी लोगों की भीड़ दिखाई दी। जैसे ही गोविंदा टीमों ने एक-दूसरे के कंधों पर चढ़कर मानव मीनार बनाना शुरू किया, दशर्कों का रोमांच चरम पर पहुंच गया। टीमों के प्रत्येक प्रयास के साथ दशर्कों का उत्साह बढ़ता गया और पूरा मैदान तालियों एवं जयकारों से गूंजता रहा।

दही हांडी प्रतियोगिता में डोंगरगढ़ की गोविंदा टीम ने शानदार टीमवर्क और बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए ऊंचाई पर लटकी दही हांडी को फोड़कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं रायपुर की मंडली ने द्वितीय और बालाघाट की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। डोंगरगढ़ की टीम के सदस्यों ने एक-दूसरे के कंधों पर चढ़ते हुए कई स्तरों की मानव मीनार बनाई और लगातार प्रयास करते हुए आखिरकार दही हांडी तक पहुंचकर उसे फोड़ दिया। इस दौरान कई बार गोविंदा टीमों को असफलता का सामना करना पड़ा, लेकिन खिलाड़ियों ने हार नहीं मानी और पूरे जोश के साथ दोबारा प्रयास करते रहे। प्रतियोगिता के दौरान पानी का छिड़काव किए जाने से मुकाबला और भी चुनौतीपूर्ण एवं रोमांचक हो गया। जैसे ही कोई टीम मानव मीनार बनाकर ऊपर की ओर बढ़ती, दशर्कों की निगाहें मटकी पर टिक जातीं और पूरा मैदान ह्यगोविंदा आला रेह्न के जयघोष से गूंज उठता।

35 से 40 फीट ऊंची दही हांडी बनी आकर्षण का केंद्र

आयोजन का सबसे बड़ा आकर्षण करीब 35 से 40 फीट की ऊंचाई पर बांधी गई दही हांडी रही। इतनी अधिक ऊंचाई पर हांडी तक पहुंचना गोविंदा टीमों के लिए बड़ी चुनौती बना रहा। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार के रूप में 60 हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार 30 हजार रुपये तथा तृतीय पुरस्कार 10 हजार रुपये रखा गया था। तृतीय पुरस्कार की राशि राकेश यादव की ओर से प्रदान की गई।

गोविंदा टीमों ने कई स्तरों वाली मानव मीनार बनाकर हांडी तक पहुंचने का प्रयास किया। जैसे-जैसे मानव मीनार ऊपर उठती गई, मैदान में मौजूद दशर्कों का रोमांच भी बढ़ता गया। टीम के सदस्य जब मटकी के बेहद करीब पहुंचे तो हजारों दशर्कों की निगाहें मानव मीनार पर टिक गईं और तालियों तथा जयकारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के छायाचित्र पर पूजा-अचर्ना एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश मंत्री यशवंत जैन रहे। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष चेमन देशमुख, कृष्ण जन्मोत्सव समिति के संरक्षक सौरभ लुनिया, संयोजक राकेश यादव, राजा दीवान, नगर पालिका उपाध्यक्ष कमलेश सोनी, पार्षद दीपक लोढ़ा, ग्रजेश गुप्ता, शाहिद खान, नितेश वर्मा सहित भाजपा एवं भाजयुमो के पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में शहरवासी मौजूद रहे। कार्यक्रम में राजा दीवान ने कहा कि भारतीय जनता युवा मोर्चा के साथियों ने दही हांडी जैसे भव्य आयोजन की शुरुआत कर सराहनीय पहल की है। बालोद में इस आयोजन की शुरुआत एक नई परंपरा की ओर कदम है। उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल मैदान में राज दशहरे जैसे बड़े आयोजन भी होते हैं। ऐसे आयोजनों से मैदान की पहचान और मजबूत होगी तथा युवाओं को अपनी प्रतिभा, ऊर्जा और उत्साह प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

कृष्ण जन्मोत्सव समिति के संयोजक राकेश यादव ने कहा कि बालोद में सांस्कृतिक विरासत को नया आयाम देने की दिशा में दही हांडी उत्सव महत्वपूर्ण आयोजन है। उन्होंने आयोजन के लिए भाजयुमो कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम हमारी परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम हैं।

चेमन देशमुख बोले–युवाओं में टीम भावना पैदा करता है उत्सव

जिला भाजपा अध्यक्ष चेमन देशमुख ने कहा कि दही हांडी केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की प्राचीन सांस्कृतिक परंपरा और उत्सव का हिस्सा है। ऐसे आयोजनों से युवाओं में उत्साह के साथ-साथ टीम भावना, अनुशासन और आपसी सहयोग की भावना विकसित होती है। उन्होंने कृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए आयोजन की सफलता के लिए आयोजकों को बधाई दी।

कृष्ण जन्मोत्सव समिति के अध्यक्ष गुलशन साहू ने कार्यक्रम में शामिल सभी अतिथियों, गोविंदा टीमों, कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में पहुंचे दशर्कों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के सामूहिक प्रयास से ही यह भव्य आयोजन सफल हो सका। कार्यक्रम को सफल बनाने में हिमांशु साहू, जिला उपाध्यक्ष सौरभ जैन, कुलदीप यादव, जिला मंत्री आशुतोष कौशिक, धनंजय साहू, जिला मीडिया प्रभारी अभिन्न यादव, जिला सोशल मीडिया प्रभारी सुमित जैन, राहुल साहू , जिला पदाधिकारी जागेश्वर धीमर, रजत जैन सहित मंडल अध्यक्ष गण राहुल सोनी, महामंत्री कमल बजाज, कोषाध्यक्ष समकित संखाला, नितेश सोनकर, जीत यदु, चित्रांश देशमुख, तेषांत देशमुख अमित बिसाई, सचिन, पुष्कर, अर्पित दुबे, नमन साहू एवं जिलेभर के कार्यकर्ताओं का सहयोग सराहनीय रहा।

सीएसवीटीयू में एकीकृत राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता 2026-27 की तैयारी शुरू

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, भिलाई ने सत्र 2026-27 की अक्व अंतर विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिताओं के लिए टीम चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। विश्वविद्यालय ने निर्देश दिए हैं कि 08 से 19 सितंबर 2026 तक सभी शिक्षण विभाग, संगठक एवं संबद्ध महाविद्यालयों में अंतर-ब्रांच/अंतर-सेमेस्टर संस्थागत खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएं। इनकी फोटोग्राफी और रिकॉर्ड विश्वविद्यालय को भेजना अनिवार्य होगा। इसी आधार पर प्रतिभावान खिलाड़ियों का चयन सीएसवीटीयू एकीकृत राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता के लिए होगा।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में 15 खेल – कबड्डी, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल, फुटबॉल, क्रिकेट, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, खो-खो, शतरंज, रस्साकशी, भारोत्तोलन, गतका, बॉक्सिंग, एथलेटिक्स एवं पैरा-एथलेटिक्स में महिला-पुरुष वर्ग के मुकाबले होंगे। Open National/Junior National के प्रथम-द्वितीय स्थान प्राप्त पदक विजेता खिलाड़ियों को विशेष अवसर मिलेगा, उन्हें प्रमाण-पत्र सहित नामांकन देना होगा। खेल विभाग द्वारा तिथि, स्थान, पंजीयन और विस्तृत कार्यक्रम अलग से जारी किया जाएगा। आयोजन व प्रशिक्षण शिविर के लिए कॉलेजों से प्रस्ताव भी मंगाए गए हैं।

युवक की गला रेतकर हत्या का खुलासा, मामूली रंजिश बनी वजह

नई दृष्टिबिंदु / धमतरी।

अर्जुनी थाना क्षेत्र के ग्राम कंडेल में गौठान के बरगद पेड़ के पास युवक की गला रेतकर हत्या का पुलिस ने खुलासा कर आरोपी को त्वरित गिरफ्तार किया है। घटना 6 सितंबर 2026 रात 9 बजे की है। मृतक पारसमणी साहू (34) राजमिस्त्री निवासी कंडेल गौठान के पास मौजूद था, तभी पूर्व विवाद व रंजिश में आरोपी ने धारदार हथियार से गला रेत दिया। अत्यधिक रक्तस्राव से मौके पर ही मौत हो गई।

पिता भारत राम साहू की रिपोर्ट पर थाना अर्जुनी में अपराध 0/2026 धारा 103(1) इठरव मर्ग 88/2026 धारा 194 इठरर दर्ज कर जांच शुरू हुई। थाना प्रभारी शरद ताम्रकार टीम के साथ मौके पर पहुंचे, फॉरेंसिक साक्ष्य जुटाए।

पूछताछ में ग्राम कंडेल निवासी यावेन्द्र कुमार ध्रुव पिता दिनेश कुमार ध्रुव (18 वर्ष 1 माह) को हिरासत में लिया। आरोपी ने हत्या स्वीकार की, उसके मेमोरेंडम पर घटना में प्रयुक्त चाकू जप्त कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया। रढ श्रीमती भावना पांडेय के निर्देशन में कारर्वाई हुई।

प्रबुद्धजन सम्मेलन और भाजपा ओबीसी मोर्चा की संभागीय बैठक संपन्न, भिलाई के युवा नेता कन्हैया सोनी रहे शामिल

नई दृष्टिबिंदु /रायपुर

पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में प्रबुद्धजन सम्मेलन एवं भाजपा ओबीसी मोर्चा की संभागीय बैठक आयोजित हुई। बैठक में ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अशोक साहू ने ओबीसी समाज की एकजुटता, संगठन की मजबूती और सामाजिक सशक्तीकरण का आह्वान किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ओबीसी समाज को मिले सम्मान और अवसरों को रेखांकित किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, केंद्रीय मंत्री तोखन साहू, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, संगठन महामंत्री अजय जामवाल, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, ओबीसी मोर्चा प्रभारी लखनलाल साहू और विधायक मोतीलाल साहू का मार्गदर्शन मिला। भिलाई के युवा भाजपा नेता कन्हैया सोनी ने कार्यक्रम में सहभागिता कर अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती और राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ भाजपा ओबीसी मोर्चा निरंतर सक्रिय है।

शिविर दिव्यांगजन और वरिष्ठजनों का पंजीयन कर 138 सामग्रियों के लिए चिन्हांकित किया गया

भिलाई-चरोदा शिविर में 57 दिव्यांगजन और वरिष्ठजन पंजीकृत, 138 सहायक उपकरणों के लिए चिन्हांकन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-तीन

जिला प्रशासन और समाज कल्याण विभाग के सहयोग से भिलाई-चरोदा के मंगल भवन में दिव्यांगजन और वरिष्ठजनों के लिए निःशुल्क सहायक उपकरण हेतु मूल्यांकन शिविर आयोजित किया गया। शिविर AIC और एक्छ की उरफयोजना और एलिम्को रायपुर द्वारा लगाया गया था।

शिविर में कुल 57 दिव्यांगजन और वरिष्ठजनों का पंजीयन कर 138 सामग्रियों के लिए चिन्हांकित किया गया। दिव्यांगजनों के लिए मोटराइज्ड ट्रायसायकल, ट्रायसायकल, बैसाखी, व्हील चेयर और वरिष्ठजनों के लिए श्रवण यंत्र, कमोड चेयर आदि उपकरण दिए जाएंगे। शिविर में सांसद प्रतिनिधि विपिन चंद्रकार, पार्षद कामता साहू, रंजीता बेनुआ, उपसंचालक समाज कल्याण ए.पी. गौतम सहित एलिम्को की मेडिकल टीम उपस्थित रही।

अगला शिविर 8 सितंबर को नगर निगम रिसाली के सभागार में होगा, जिसमें रिसाली, पाटन, अमलेश्वर और उतई क्षेत्र के हितग्राही शामिल होंगे।

दिल्ली में महिला विधायकों की कायर्शाला में शामिल हुईं डोंगरगढ़ विधायक हषिर्ता स्वामी बघेल

नई दिल्ली। ताज होटल में ₹जेंडर रिस्पॉन्सिव गवर्नेंस₹ विषय पर महिला विधायकों के लिए दो दिवसीय कायर्शाला आयोजित हुई, जिसमें डोंगरगढ़ विधायक हषिर्ता स्वामी बघेल शामिल हुईं। कायर्शाला में महिला सशक्तिकरण, लैंगिक समानता, शासन और निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की प्रभावी भागीदारी तथा महिला-केंद्रित नीतियों के निर्माण और क्रियान्वयन पर चर्चा हुई। विधायक हषिर्ता बघेल ने विशेषज्ञों और महिला विधायकों के साथ संवाद करते हुए महिलाओं के अधिकार, सम्मान, सुरक्षा और सशक्तीकरण को और प्रभावी बनाने पर विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि सशक्त और समावेशी समाज के निर्माण के लिए शासन में महिलाओं की समान और सार्थक भागीदारी आवश्यक है, और कायर्शाला से मिले अनुभवों को क्षेत्र के विकास में उपयोग किया जाएगा।

घूमका में रोज 7 बसों से पहुंच रहे बाहरी मजदूर, स्थानीय श्रमिकों की कमी से किसान परेशान; बस परमिट पर उठे सवाल

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव।

कृषि प्रधान राजनांदगांव जिले के घूमका क्षेत्र में स्थानीय मजदूरों की भारी कमी किसानों के लिए परेशानी बन गई है। आलम यह है कि खेती के लिए प्रतिदिन धमतरी से 7 बसों में मजदूर लाए जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार सुबह बसें मजदूरों को लेकर घूमका पहुंचती हैं, दिनभर धान व अन्य कृषि कार्य कर शाम को वापस धमतरी ले जाती हैं। धान सीजन में एक साथ अधिक मजदूरों की जरूरत से किसानों को बाहर के श्रमिकों पर निर्भर होना पड़ रहा है।

इधर रोज एक जिले से दूसरे जिले में बसों से मजदूरों की ढुलाई को लेकर परमिट पर सवाल उठ रहे हैं। चर्चा है कि इन बसों के पास किस श्रेणी का परमिट है, क्या प्रतिदिन मजदूर परिवहन की अनुमति है, क्षमता और सुरक्षा नियमों का पालन हो रहा है या नहीं। हालांकि अभी तक अनियमितता की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। परिवहन विभाग से स्थिति स्पष्ट करने की मांग हो रही है।

सवाल यह भी है कि आखिर स्थानीय मजदूर कृषि से दूरी क्यों बना रहे हैं – क्या मजदूरी दर, पलायन या अन्य रोजगार विकल्प कारण हैं? इस पर कृषि विभाग को ध्यान देने की जरूरत है।

सीपीएल 2026

सुनील नरेन का चला जादू

त्रिनबागो नाइटराइडर्स ने बारबाडोस को 35 रन से हराया

बारबाडोस। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 27वां मुकाबला किंग्सटन ओवल, ब्रिजटाउन में खेला गया। बारबाडोस ट्राइडेंट्स और त्रिनबागो नाइट राइडर्स के बीच खेला गया। त्रिनबागो ने 35 रन से मैच जीता। बारबाडोस ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने 6 विकेट पर 147 रन बनाए थे। कप्तान निकोलस पूरन ने 37 गेंदों पर 7 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 59 रन की पारी खेली। इसके अलावा,

सलामी बल्लेबाज कोलिन मुनरो ने 32 गेंदों पर 38 रन बनाए। किरोन पोलार्ड ने 15 और जोशुआ डा सिल्वा ने 10 रन बनाए थे। बारबाडोस के लिए गुडाकेस मोती ने 3, मुजीब उर रहमान ने 2 और जकीम पोलार्ड ने 1 विकेट लिए। 148 रन के सामान्य लक्ष्य का पीछा करने उतरी बारबाडोस की बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई। बारबाडोस 18.3 ओवर में 112 रन पर सिमट गई और 35 रन से मैच हार गई। जैकरी कार्टर और शरफेन रदरफोर्ड ने 21-21 रन बनाए। इसके अलावा, डेनियल सैम्स ने 17, ब्रैंडन किंग्स और सैड्रैक डेसकर्टेस ने 16-16 रन बनाए। क्विंटन डि कॉक और रिवाल्डो क्लार्क जैसे बल्लेबाज शून्य पर आउट हुए। त्रिनबागो के लिए सुनील नरेन ने बेहतरीन और मैच विजयी स्पेल फेंका। नरेन ने 3.3 ओवर में 12 रन देकर 4 विकेट लिए। इसके अलावा, जेड गुली ने 4 ओवर में 20 रन देकर 3 विकेट लिए। लाहिरु कुमारा ने 2 और अकील हुसैन ने 1 विकेट लिया।

सुनील नरेन को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया- त्रिनबागो नाइट राइडर्स की सीजन के नौवें मैच में यह तीसरी जीत थी। 6 अंकों के साथ टीम छठे स्थान पर है। वहीं, बारबाडोस की सीजन के छठे मैच में यह चौथी हार थी। 4 अंक के साथ बारबाडोस आखिरी (सातवें) स्थान पर है। एंटिगुआ एंड बरबुडा फॉल्कंस 9 मैचों में 5 जीत के साथ 11 अंक लेकर पहले स्थान पर है।

फुटबॉल: भारत-पनामा के बीच फ्रेंडली मैच में बदलाव

नई दिल्ली। भारत और पनामा के बीच पुरुषों के इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच की तारीख में बदलाव हुआ है। यह मुकाबला पहले 26 सितंबर को होना था, लेकिन अब इसे 25 सितंबर को खेला जाएगा। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) ने रविवार को इसकी घोषणा की। एक मजबूत टीम के खिलाफ यह बहुप्रतीक्षित मैच बेंगलुरु के श्री कांतिरावा स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा, जो फीफा मेंस इंटरनेशनल मैच विंडो का हिस्सा है। 'ब्लू टाइगर्स' का सामना 44वीं रैंक वाली उस पनामा टीम से होगा, जिसने फीफा वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा

लिया था। फुटबॉल इतिहास में भारत और पनामा की टीमें पहली बार आमने-सामने होंगी। यह भारत के इतिहास में किसी कॉनकैफ (उत्तर, मध्य अमेरिका और कैरेबियाई फुटबॉल परिसंघ) टीम के खिलाफ 9वां मैच होगा। 'लॉस कैनालेरोस' (पनामा टीम) ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लिया था। इस वजह से सितंबर का यह मैच उन चार मुकाबलों में पहला होगा जो भारत फीफा वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लेने वाली टीमों के खिलाफ खेलेगा और फिर 3 अक्टूबर को ब्राजील के साथ मैच होगा।

इसके बाद, भारतीय पुरुष टीम अगली फीफा इंटरनेशनल मैच विंडो के दौरान न्यूजीलैंड का दौरा करेगी, जहां वह मेजबान टीम के विरुद्ध 12 और 15 नवंबर को दो फ्रेंडली मैच खेलेगी। पहला मैच ऑकलैंड के गो मीडिया स्टेडियम में होगा, जबकि दूसरे मुकाबले का आयोजन क्राइस्टचर्च के वन न्यूजीलैंड स्टेडियम में किया जाएगा। इन मुकाबलों की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की न्यूजीलैंड यात्रा के दौरान की गई थी और ये दोनों देशों के बीच 'खेल के जरिए एकता के 100 साल' का जश्न मनाने के लिए आयोजित होने वाले खेल आयोजनों की सीरीज का हिस्सा होंगे।

हमारी बल्लेबाजी लड़खड़ा गई, पूरी पारी के दौरान संघर्ष किया: फातिमा सना

नई दिल्ली, एजेंसी। दुबई पाकिस्तान को भारत के खिलाफ शनिवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए विमेंस एशिया कप 2026 के 9वें मुकाबले में 7 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा। हार के पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना ने स्वीकार किया है कि उनकी टीम की बल्लेबाजी खराब रही और पूरी पारी के दौरान टीम ने संघर्ष किया। पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया, लेकिन ये निर्णय टीम पर भारी पड़ गया और पाकिस्तानी टीम 18.1 ओवरों में सिर्फ 55 रन पर सिमट गई। आलम ये रहा कि पाकिस्तान के सिर्फ बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा छू सकीं। चार खिलाड़ी अपना खाता तक नहीं खोल सकीं। पहले बल्लेबाजी करने के फैसले पर पाकिस्तानी कप्तान ने कहा, हमारी बल्लेबाजी लड़खड़ा गई पूरी पारी के दौरान हमने संघर्ष किया। हमें पता था कि विकेट ताजा है और हम अधिक से अधिक रन बनाना चाहते थे। हमें भरोसा था कि हमारी गेंदबाजी इकाई अच्छी है। आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने 29 के स्कोर तक अपने 3

विकेट गंवा दिए थे। हालांकि, इसके बाद टीम ने 8.4 ओवरों में 7 विकेट शेष रहते मैच अपने नाम कर लिया। पाकिस्तान के लिए तीनों विकेट फातिमा सना (3 ओवरों में 17 रन देकर 3 विकेट) हासिल किए। कप्तान सना निजी उपलब्धि से ज्यादा टीम की जीत को तरजीह देती हैं। उन्होंने कहा, मैंने तीन विकेट लिए, लेकिन फिर भी हम मैच हार गए, इसलिए इसका कोई मायने नहीं है। हमें जीत की जरूरत थी, इसलिए तीन विकेट लेने से कोई फर्क नहीं पड़ता। पाकिस्तानी टीम 2 में से 1 मैच गंवाने के बावजूद ग्रुप-ए की प्वाइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर मौजूद है। अब पाकिस्तानी टीम 7 सितंबर को अपने अंतिम ग्रुप मुकाबले में हांगकांग, चीन का सामना करेगी। ग्रुप-ए से भारत ने पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना ली थी। अब पाकिस्तान (-0.569), थाईलैंड (-2.050) और हांगकांग, चीन (-3.575) क्रमशः दूसरे, तीसरे और चौथे पायदान पर हैं। यानी अगला मैच पाकिस्तान के लिए निर्णायक होगा। इस मुकाबले को लेकर पाकिस्तानी कप्तान ने कहा, हम वहां अच्छा क्रिकेट खेलने की कोशिश करेंगे, और आखिरी मैच में हम जीतने और फाइनल (नॉकआउट) में जाने की कोशिश करेंगे।

इतिहास में पहली बार एकसाथ खेलेंगे रोनाल्डो और मेसी? जानें कब होगा मैच

नईदिल्ली, एजेंसी। क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी 37 बार एकदूसरे के खिलाफ खेले हैं, लेकिन अब इतिहास में पहली बार एक टीम के लिए खेल सकते हैं. कार्लोस टेवेज इसकी योजना बना रहे हैं, जो दोनों के टीममेट रहे हैं. पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो और अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी फुटबॉल जगत के दो बड़े सितारे हैं. लगभग 15 सालों तक, उनकी प्रतिद्वंद्विता ने वर्ल्ड फुटबॉल में एक दौर को परिभाषित किया, खासकर ला लीगा में, जहां रोनाल्डो रियल मैड्रिड और मेसी बार्सिलोना के लिए खेलते थे. लेकिन अब इतिहास में पहली बार दोनों एक साथ, एक टीम के लिए खेल सकते हैं. दोनों के टीममेट रह चुके कार्लोस टेवेज ने एक खास इवेंट की योजना बनाई है. टीवाईसी स्पोर्ट्स की रिपोर्ट के मुताबिक, टेवेज ने बोका जूनियर्स के प्रेसिडेंट जुआन रोमन रिक्वेल्मे से 'ला बॉम्बोनेरा' में मैच कराने के बारे में बात की है. रिक्वेल्मे ने इसके लिए हामी भर दी है, जो टेवेज के साथ खेल चुके हैं. क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी में से कौन सबसे महान है, इस पर सालों से बहस होती रही है. नेशनल और क्लब लेवल पर दोनों दिग्गज 37 बार आमने सामने हो चुके हैं, हालांकि कभी दोनों एक टीम के लिए नहीं खेले. दोनों ने मिलकर 13 बैलन डी 'ओर जीते हैं.

दिसंबर में होगा मैच!

बोका जूनियर्स के लिए अपना प्रोफेशनल करियर शुरू करने वाले टेवेज ने 2021 में फुटबॉल से संन्यास ले लिया था. अब 5 साल बाद वह अपने फेयरवेल मैच की तैयारी कर रहे हैं. रिक्वेल्मे द्वारा हरी झंडी दिए जाने के बाद अधिकारी अब मैच की तारीख को तय करने पर काम कर रहे हैं. संभावना है कि ये मैच दिसंबर में होगा, जिससे बोका जूनियर्स का शेड्यूल प्रभावित न हो.

यूएस ओपन 2026

कोको गॉफ ने क्रिस्टीना बुच्सा को हराया, चौथे दौर में बनाई जगह

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने US Open 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए स्पेन की क्रिस्टीना बुच्सा को सीधे सेटों में 6-3, 6-4 से हरा दिया। इस जीत के साथ चौथी वरीयता प्राप्त गॉफ ने लगातार पांचवीं बार US Open के चौथे दौर में जगह बना ली है। उनकी लगातार जीत का सिलसिला अब 9 मैचों तक पहुंच गया है।

बुच्सा ने शुरुआत में गॉफ को दिया झटका - आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मुकाबले की शुरुआत गॉफ के लिए आसान नहीं रही। बुच्सा ने आक्रामक शुरुआत करते हुए पहले सेट में 3-1 की बढ़त बना ली थी। हालांकि, गॉफ ने जल्द ही लय हासिल की और अगले छह में से पांच गेम अपने नाम कर लिए। उन्होंने एक शानदार सर्व के साथ पहला सेट 6-3 से अपने नाम किया, जिसका बुच्सा के पास कोई जवाब नहीं था।

दूसरे सेट में भी कांटे की टक्कर - दूसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। गॉफ ने 4-3 की बढ़त के लिए बुच्सा की सर्विस तोड़ी, लेकिन स्पेनिश खिलाड़ी ने तुरंत वापसी करते हुए स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद गॉफ ने मैच के आखिरी आठ अंक लगातार जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया और अंतिम-16 में पहुंच गई।

सर्विस में परेशानी के बावजूद गॉफ का दबदबा

गॉफ का यह प्रदर्शन पूरी तरह बेदाग नहीं रहा। उन्होंने अपनी पहली सर्विस का आधे से भी कम हिस्सा कोर्ट में डाला और छह डबल फॉल्ट किए। इसके बावजूद जब उनकी पहली सर्विस लगी तो वह बेहद प्रभावी रहीं। उन्होंने पहली सर्विस पर 27 में से 20 अंक जीते। गॉफ ने 9 में से 4 ब्रेक पॉइंट कन्वर्ट किए और नेट पर 22 में से 15 अंक अपने नाम किए। उनकी शानदार डिफेंस और कोर्ट पर तेज मूवमेंट एक बार फिर निर्णायक साबित हुई।

दिन के हालात में शुरुआत में हुई परेशानी

गॉफ ने माना कि दिन के समय खेले गए मुकाबले की परिस्थितियों में उन्हें शुरुआत में लय हासिल करने में परेशानी हुई थी। हालांकि, मैच आगे बढ़ने के साथ उन्होंने खुद को परिस्थितियों के अनुसार ढाल लिया। गॉफ ने कहा, 'वह एक मुश्किल खिलाड़ी हैं। वह कभी खेल की गति तेज कर सकती हैं और कभी धीमी। इसलिए मेरे लिए लय हासिल करना मुश्किल था, लेकिन मैं खुश हूं कि जब मैं अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस नहीं खेल रही थी, तब भी मैंने मुकाबला लड़कर जीत हासिल की।'

शैफाली ने पहली गेंद पर छक्का लगा बनाया महारिकॉर्ड

- पाक के खिलाफ T20I में ऐसा करने वाली पहली महिला बैटर बनीं

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान महिला एशिया कप 2026 के अपने तीसरे लीग मैच में 7 विकेट से हरा दिया और सेमीफाइनल में जगह बना ली। इस मैच में श्रीचरणी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 7 रन देकर 3 विकेट झटके और वो प्लेयर ऑफ द मैच बनीं। पाकिस्तान के खिलाफ हुए इस मैच में भारतीय ओपनर शैफाली वर्मा ने अपनी पारी के दौरान एक ही छक्का लगाया और इसके दम पर उन्होंने एक ऐसा रिकॉर्ड बना दिया जो किसी भी महिला क्रिकेटर ने इससे पहले कभी नहीं किया था।

शैफाली ने पहली गेंद पर छक्का लगा बनाया महारिकॉर्ड- शैफाली वर्मा ने पाकिस्तान के खिलाफ हुए मुकाबले में 6 गेंदों पर 12 रन बनाए और इस दौरान उन्होंने एक छक्का और एक चौका भी लगाया। शैफाली का स्ट्राइक रेट इस दौरान 200.00 का रहा। शैफाली ने इस मुकाबले में दूसरी पारी की पहली ही गेंद पर छक्का लगा दिया और एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। शैफाली अब महिला टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में पाकिस्तान के खिलाफ सबसे ज्यादा बार पारी की पहली गेंद पर छक्का लगाने वाली बैटर बन गईं। शैफाली ने एशिया कप 2026 के भारत के तीसरे लीग मैच में पाकिस्तान के खिलाफ पहली गेंद पर छक्का लगाने का कमाल किया तो वहीं इससे पहले साल 2026 में ही एजबेस्टन में शैफाली ने पाकिस्तान के खिलाफ पारी की पहली ही गेंद पर छक्का लगाया था। यानी उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ महिला टी20आई में पारी की पहली ही गेंद पर छक्का लगाने का कमाल दो बार किया। वहीं पाकिस्तान के खिलाफ पारी की पहली गेंद पर एक बार छक्का लगाने का कमाल एमी हंटर ने साल 2025 में डबलिन में किया था।

मोड्रिक ने संन्यास की अटकलों पर लगाया विराम

नेशंस लीग में खेलेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। मिलान लुका मोड्रिक ने क्रोएशिया के लिए अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खेलना जारी रखने का फैसला किया है। इसी के साथ उन अटकलों पर विराम लग गया, जिनमें अनुभवी मिडफील्डर के नेशनल टीम से संन्यास लेने के कयास लगाए जा रहे थे। क्रोएशियाई फुटबॉल फेडरेशन (एचएनएस) ने शनिवार को पुष्टि की है कि मोड्रिक चेक रिपब्लिक, स्पेन और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले नेशंस लीग मुकाबलों के लिए टीम का हिस्सा होंगे। यह फैसला मोड्रिक के हाल ही में फीफा वर्ल्ड कप में क्रोएशिया का प्रतिनिधित्व करने के बाद आया है, जहां उनकी टीम को राउंड ऑफ 32 में पुर्तगाल के हाथों 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। टूर्नामेंट के बाद उनके अंतरराष्ट्रीय भविष्य को लेकर संदेह पैदा हो गया था, खासकर इसलिए क्योंकि यह मिडफील्डर सितंबर में 41 साल का होने वाला है। हालांकि, नए नियुक्त हेड कोच स्लेवेन बिलिच और एचएनएस अध्यक्ष मारिजन कुस्टिक के साथ बातचीत के बाद मोड्रिक ने क्रोएशिया के आगामी आधिकारिक मुकाबलों के लिए खुद को उपलब्ध कराया है। एसी मिलान का यह मिडफील्डर क्रोएशिया के लिए एक अहम खिलाड़ी बना हुआ है, जिसने अपने देश के लिए 202 मैच खेले हैं। वह लगभग दो दशकों से नेशनल टीम का अहम हिस्सा रहे हैं और फीफा वर्ल्ड कप 2018 में क्रोएशिया के सफल सफर के दौरान उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी, जब टीम रनर-अप रही थी। बिलिच ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी एक आधिकारिक बयान में कहा, स्वाभाविक रूप से, लुका के फैसले से मुझे बेहद खुशी हुई है। हम सभी जानते हैं कि वह मैदान के अंदर और बाहर क्रोएशिया को क्या दे सकते हैं। मैं 14 साल बाद उनके साथ फिर से काम करने के लिए उत्साहित हूं। हम दोनों का एक ही मकसद है - क्रोएशिया को टॉप टीमों में बनाए रखना, जीत हासिल करना और दुनिया की बेहतरीन टीमों के बराबर लाना। मोड्रिक ने एसी मिलान के साथ अपना क्लब करियर भी जारी रखा है। इस मिडफील्डर ने हाल ही में इटैलियन क्लब के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट जून 2027 तक बढ़ा दिया है। क्रोएशिया के दिग्गज मिडफील्डर लुका मोड्रिक ने राष्ट्रीय टीम के साथ अपना सफर जारी रखने का फैसला किया है। इस फैसले के साथ उन्हें अब अपने 202 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के रिकॉर्ड को और आगे बढ़ाने का मौका मिलेगा, साथ ही वह यूरोपीय फुटबॉल के सबसे शानदार अंतरराष्ट्रीय करियरों में से एक को और लंबा कर सकेंगे। मोड्रिक ने साल 2006 में क्रोएशिया के लिए सीनियर डेब्यू किया था और तब से वह टीम के अहम खिलाड़ी बने हुए हैं।

दिलीप ट्रॉफी फाइनल पर चयनकर्ताओं की नजर

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की वनडे टीम में वापसी का रास्ता खुल सकता है. भारत को 27 सितंबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज खेलनी है और इस सीरीज के लिए टीम चयन के दौरान शमी के नाम पर भी चर्चा हो सकती है. इसकी बड़ी वजह भारत के कई प्रमुख तेज गेंदबाजों का उस समय एशियन गेम्स के लिए जापान में होना है.एशियन गेम्स में होंगे भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज - जापान में 19 सितंबर से एशियन गेम्स शुरू होने हैं. इसी दौरान भारतीय टी20 टीम इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी. भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, अ शंदीप सिंह और हर्षित राणा एशियन गेम्स की टीम का हिस्सा होंगे. वहीं 27 सितंबर से भारत और वेस्टइंडीज के बीच वनडे सीरीज शुरू होनी है. ऐसे में बुमराह, अश दीप और हर्षित के वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे टीम का हिस्सा बनने की संभावना नहीं है. इससे चयनकर्ताओं को तेज गेंदबाजी विभाग में दूसरे विकल्पों की तरफ देखन । होगा.

साई किशोर ने झटके 5 विकेट

ग्लॉस्टरशायर की डर्बीशायर पर रोमांचक जीत

ब्रिस्टल, एजेंसी। आर साई किशोर (5 विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत ग्लॉस्टरशायर ने रॉथसे काउंटी चैंपियनशिप डिविजन दो मैच के बेहद रोमांचक अंत में डर्बीशायर को 213 रन से हरा दिया। सीट यूनिक स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में ग्लॉस्टरशायर के इस विदेशी खिलाड़ी ने 18 ओवर में 20 रन देकर 5 विकेट लिए। 319 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही बेबस डर्बीशायर की टीम आखिरी सत्र में 39 ओवर के अंदर केवल 105 रन पर सिमट गई। एड मिडलटन ने 17 रन देकर 2 विकेट और ओली प्राइस ने 59 रन देकर 3 विकेट लिए। डर्बीशायर के सभी 10 विकेट स्पिन गेंदबाजो ने झटके। यह घरेलू टीम के लिए किस्मत में शानदार बदलाव था, क्योंकि मैच के पहले दिन उसका स्कोर पांच विकेट पर मात्र 37 रन था।

इससे पहले ग्लॉस्टरशायर ने अपनी दूसरी पारी में 210 रन और जोड़े। माइल्स हैमंड ने 118 और जेम्स ब्रेसी ने नाबाद 104 रन बनाए। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 165 रन की बड़ी साझेदारी की और ग्लॉस्टरशायर ने 5 विकेट पर 359 रन बनाकर पारी घोषित की। ब्रेसी 2007 में ग्लॉस्टर के आर्कडेक्न मीडो में एलेक्स गिडमैन के बाद प्रथम श्रेणी मैच में दो शतक लगाने वाले ग्लॉस्टरशायर के पहले खिलाड़ी बने। तालिका में सबसे नीचे चल रही ग्लॉस्टरशायर ने 19 अंक हासिल किए और लगातार छह हार का सिलसिला समाप्त किया। इस सीजन में उसकी दोनों जीत डर्बीशायर के खिलाफ ही आई हैं। ब्रिस्टल से डर्बीशायर को सिर्फ चार अंक मिले और टीम को भारी निराशा के साथ लौटना पड़ा। जब ग्लॉस्टरशायर ने 3 विकेट पर 149 रन से आगे खेलना शुरू किया, तब डर्बीशायर को जल्दी विकेट लेने की जरूरत थी। लेकिन फील्डिंग में उससे कई गलतियां हुईं। शोएब बशीर ने अपनी ही गेंद पर ब्रेसी का कैच छोड़ दिया, तब उनका स्कोर सिर्फ 5 रन था।

भारत ने पुरुष जूनियर एशिया कप में जापान से खेला ड्रॉ

मोकी (चीन), एजेंसी। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने रविवार को यहां जूनियर एशिया कप के पूल ए के अपने दूसरे मुकाबले में शानदार जुझारूपन दिखाते हुए जापान के खिलाफ 3-3 से ड्रॉ खेला। इंडोनेशिया के खिलाफ पहले पूल मैच में 14-0 की बड़ी जीत दर्ज करने वाली भारतीय टीम ने चौथे मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक के जरिए बढ़त हासिल की। फाउल के बाद मिले इस मौके को कप्तान अनमोल एक्का ने गोल में बदलकर भारत को 1-0 से आगे कर दिया। भारत ने दबाव बनाए रखा और 10वें मिनट में आशु मौर्य ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर टीम की बढ़त 2-0 कर दी। जापान ने तुरंत जवाबी हमला करते हुए 11वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। युशिन सासाकी ने इस मौके को गोल में बदलकर अंतर 2-1 कर दिया। दूसरे क्वार्टर में दोनों टीमों ने आक्रामक खेल जारी रखा। भारत बढ़त बढ़ाने की कोशिश कर रहा था जबकि जापान बराबरी की तलाश में था।

हाफटाइम तक भारत 2-1 से आगे था। तीसरे क्वार्टर में भी यही सिलसिला जारी रहा। दोनों टीमें नियंत्रण हासिल करने के लिए संघर्ष करती रहीं।

साइकोपैथ का किरदार निभाने के लिए अक्षय कुमार ने ली पुलिस की मदद

अभिनेता अक्षय कुमार आगामी क्राइम थ्रिलर फिल्म 'हैवान' में विलेन के रोल में नजर आएंगे। अभिनेता ने बताया कि इस किरदार को निभाने के लिए पुलिस में कार्यरत उनके दोस्त ने उनकी मदद की थी। अभिनेता हाल ही में क्विज रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति-20' में अपने को-स्टार सैफ अली खान के साथ गए थे, जहां उन्होंने फिल्म में अपने किरदार को लेकर कहा, 'सर, मैं फिल्म में विलेन का रोल निभा रहा हूं और सैफ हीरो हैं। इसमें मैं एक साइकोपैथ का रोल निभा रहा हूं और इसके पीछे एक कहानी है कि मैं ऐसा कैसे बनता हूं और क्या-क्या झेलता हूं और फिर फिल्म आगे बढ़ती है।' आगे बातचीत में अमिताभ बच्चन ने अक्षय कुमार से विलेन का रोल निभाने की तैयारी के बारे में पूछा। मिस्टर बच्चन के सवालों का जवाब देते हुए बताया कि कैसे लॉ एनफोर्समेंट में उनके दोस्तों से मिली असल जिंदगी की सलाह और डायरेक्टर प्रियदर्शन की गाइडेंस ने उनकी परफॉर्मेंस को बेहतर बनाया। उन्होंने बताया, 'सर, मेरे काफी मित्र पुलिस में हैं और अक्सर साइकोपैथ से उनका भिड़ना होता रहता है, तो उन्होंने मुझे एक बात बताई थी कि जो फिल्मों में दिखाया जाता है कि साइकोपैथ अलग तरीके से मुंह बनाते हैं, असल में वैसे कुछ नहीं होता है। वे हम सभी से घुल मिलकर रहना चाहते हैं और इस तरह से वे हमारे साथ ऐसे रहते हैं कि किसी को पता ही नहीं चलता कि उनके दिमाग में क्या चल रहा है।' अभिनेता ने बताया कि उनके दोस्त द्वारा बताई गई बात उन्होंने निर्देशक प्रियदर्शन से साझा की थीं। अक्षय कुमार ने कहा, 'तो यह बात मेरे समझ में आई और प्रियन सर ने भी बोला कि मुझे कोई मुंह बनाने की जरूरत नहीं है और इस पूरी फिल्म में मैं बिल्कुल शांत हूं। वहीं, सैफ ज्यादा बात कर रहा है और मैं पूरी तरह से लोगों के साथ घुला-मिला नजर आऊंगा और इस तरह मैं कैरेक्टर में आ गया।' प्रियदर्शन के निर्देशन में बन रही फिल्म साल 2016 में आई मोहनलाल की मलयालम फिल्म 'ओप्पम' का आधिकारिक हिंदी रीमेक है, जिसमें अक्षय और सैफ के अलावा, बोमन ईरानी, श्रिया पिलगांवकर और सैयामी खेर (मोहनलाल का कैमियो) में नजर आएंगे।

नीति मोहन ने 'माहिया' को बताया प्यार और अपनापन बयां करने वाला गीत

प्लेबैक सिंगर नीति मोहन अपनी सुरीली आवाज से एक बार फिर दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं। उनकी आवाज में रिकॉर्ड किया गया नया गीत 'माहिया' जल्द आने वाली वेब सीरीज 'द रिवॉल्यूशनरीज' में सुनाई देगा। यह गाना सीरीज की प्रेम कहानी को आगे बढ़ाते हुए उसके मुख्य किरदारों के बीच पनप रहे प्यार, अपनापन और गर्मजोशी को खूबसूरती से सामने लाता है। 'माहिया' में सीरीज के मुख्य किरदार सचिंद्र नाथ सान्याल और प्रतिभा लाहिड़ी के बीच पनपते रोमांस को दिखाया गया है। सचिंद्र नाथ सान्याल का किरदार रोहित सराफ निभा रहे हैं, जबकि प्रतिभा लाहिड़ी के किरदार में प्रतिभा रांटा नजर आएंगी। गाने में दोनों के बीच बढ़ते रिश्ते और एक-दूसरे के प्रति पैदा हो रहे खास एहसास को जगह दी गई है। 'माहिया' एक लव सॉन्ग है, जो उस खुशी को बयां करता है, जब जिंदगी में कोई ऐसा शख्स आता है, जो आपके लिए सबसे ज्यादा मायने रखता है। गीत के बोल बार-बार इसी भावना को दिखाते हैं कि प्यार करने वाले के लिए उसकी मोहब्बत ही सब कुछ होती है। इस गाने को आकाशदीप सेनगुप्ता ने संगीत दिया है। इसे नीति मोहन और तुषार जोशी ने अपनी आवाज दी है, जबकि इसके बोल टोलिया लवराज सिंह और गौरव चक्रवर्ती ने लिखे हैं। नीति मोहन ने इस गीत को लेकर अपने अनुभव साझा किए और कहा, ''माहिया' बहुत खूबसूरत और सुकून देने वाला गीत है। मुझे इसकी धुन और बोल में छिपी भावनाएं बेहद पसंद आईं। खास तौर पर यह बात अच्छी लगी कि गाने में शख्स उस महिला की यादों में खोया रहता है, जिससे वह प्यार करता है। वह महिला उसकी हर एहसास में है और गाने के जरिए वह उसे यह बताने की कोशिश करता है कि वह उसके लिए सब कुछ है।''

नीति ने आगे कहा, ''इस भावना में मुझे एक तरह की सच्चाई और सहजता महसूस होती है। प्यार का यह एहसास बिना किसी दिखावे के बहुत स्वाभाविक तरीके से सामने आता है। तुषार जोशी के साथ इस गीत को आवाज देना मेरे लिए काफी अच्छा अनुभव रहा। मुझे उम्मीद है कि श्रोता गाने की रोमांटिक धुन को पसंद करेंगे और इसे सुनते हुए जिंदगी के खूबसूरत प्यार भरे पल भी याद आएंगे।''

कृति खरबंदा की रहस्यमयी इंस्टाग्राम स्टोरीज़ ने बढ़ाई उत्सुकता

कृति खरबंदा ने अपनी हालिया इंस्टाग्राम स्टोरीज़ के जरिए फैंस के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। अभिनेत्री ने एक के बाद एक कुछ ऐसी तस्वीरें साझा की हैं, जिन्होंने लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि शायद वह जल्द ही किसी खास घोषणा की तैयारी में हैं। सबसे पहले कृति ने अपनी एक क्लोज-अप सेल्फी साझा की है। इसके बाद उन्होंने एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें एक गिलास में ड्रिंक डाली जाती हुई दिखाई दे रही है और उसके साथ एक लाल रंग की नोटबुक भी नजर आ रही है। इस तस्वीर पर लिखा है, 'कुछ खास पक रहा है'। फ़िलहाल इस दिलचस्प संदेश ने फैंस की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। इसी के साथ इस रहस्य को और गहरा करते हुए कृति ने एक और तस्वीर साझा की है, जिसमें हाथ से लिखे नोट की तरह एक संदेश लिखा है, 'मैं अभी खुद पर काम कर रही हूँ।' इन साधारण से लगने वाले इन शब्दों ने भी कई तरह की अटकलों को जन्म दे दिया है। हालांकि कृति ने अभी तक यह खुलासा नहीं किया है कि आखिर वह किस ओर इशारा कर रही हैं, लेकिन उनकी स्टोरीज का क्रम यह जरूर संकेत दे रहा है कि उनके जीवन में कुछ नया होने वाला है। यह किसी नए प्रोजेक्ट की घोषणा हो सकती है, किसी पेशेवर उपलब्धि से जुड़ी खबर हो सकती है या फिर कुछ और खास। फिलहाल कृति के इन रहस्यमयी अपडेट्स ने फैंस को अनुमान लगाने पर मजबूर कर दिया है। अब सभी को उस पल का इंतजार है, जब अभिनेत्री खुद इस सस्पेंस से पर्दा उठाएंगी।

नेपोटिज्म का मुद्दा कंगना लेकर आईं

फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर नेपोटिज्म पर बातें होती हैं। हाल ही में अभिनेता अरशद वारसी ने भी इस बारे में अपनी राय रखी। उनका मानना है कि इस मुद्दे को कंगना रनौत लेकर आईं। अरशद वारसी का कहना है कि भाई-भतीजावास से स्टारकिड्स के लिए पहला दरवाजा खुल सकता है, वे आगे कहां तक जाएंगे यह बात किसी की प्रतिभा पर निर्भर होती है।

अभिनेता अरशद वारसी ने भाई-भतीजावाद की बहस को चर्चा में लाने का क्रेडिट कंगना रनौत को दिया है। अभिनेता का मानना है कि स्टार किड्स को फिल्म इंडस्ट्री में आसानी से एंट्री मिल जाती है। अरशद के मुताबिक, मशहूर सरनेम सिर्फ पहला दरवाजा ही खोल सकता है। कोई एक्टर वहां टिकेगा या नहीं, यह आखिरकार उसके टैलेंट के ऊपर है। अरशद वारसी ने फिल्मीज्ञान के साथ एक पॉडकास्ट में बात करते हुए कहा कि जब उन्होंने अपना करियर शुरू किया था, तब नेपोटिज्म कोई बड़ा मुद्दा नहीं था। उन्होंने कहा, 'कंगना नेपोटिज्म का मुद्दा लेकर आईं और फिर यह बड़ा हो गया। हर कोई इसके बारे में बात करने लगा'। अरशद ने यह माना कि नेपोटिज्म मौजूद है। मगर, साथ ही कहा कि इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि उनका मानना है कि बिना प्रतिभा के कोई भी एक्टर बहुत आगे नहीं बढ़ सकता।

बोले- मुझे फर्क नहीं पड़ता

अरशद ने आगे कहा, 'हां, यह बात है, लेकिन इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मेरा दिल कहता है कि आखिर में मायने यह रखता है कि आप कितने टैलेंटेड हैं और उसी के आधार पर आप आगे बढ़ेंगे'। अरशद ने स्टार किड होने के साथ आने वाले दबाव के बारे में भी बात की। उन्होंने अपने बच्चों- बेटे जीक वारसी और बेटी जेने जोई वारसी का भी जिक्र किया और कहा कि उन्हें उम्मीदों का सामना करना पड़ सकता है, सिर्फ इसलिए कि वे उनके बच्चे हैं।

अगर प्रतिभा नहीं तो फायदा नहीं

एक्टर के मुताबिक, नेपोटिज्म का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इससे जल्दी मौका मिल जाता है। उन्होंने कहा, 'ज्यादा से ज्यादा यह हो सकता है कि उनके लिए दरवाजा जल्दी खुल जाए, लेकिन अगर आपमें टैलेंट नहीं है, तो वह दरवाजा जल्दी ही बंद भी हो जाता है'। अरशद का कहना है कि वह अपने बच्चों पर सफल होने का दबाव नहीं डालना चाहते और न ही इस बात की चिंता करना चाहते हैं कि वे फेल होंगे या क्या होगा। इसके बजाय, वह चाहते हैं कि वे एक्टिंग को एक कला के तौर पर समझें और अगर वे इसे अपनाना चाहें, तो इसके लिए पूरी तरह तैयार रहें। एक्टर ने यह भी कहा कि आज फिल्म इंडस्ट्री में आने वाले युवा पहले से कहीं ज्यादा तैयारी के साथ आते हैं, इसलिए जो लोग एक्टर बनना चाहते हैं, उनके लिए अपनी कला को गंभीरता से लेना जरूरी है।

किसी की निजी गरिमा का हिसाब देने नहीं बैठी हूं

भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह एक बार फिर आम्रपाली दुबे के साथ अपने पुराने रिश्ते और पवन सिंह से जुड़े विवाद को लेकर चर्चा में हैं। आम्रपाली दुबे ने हाल ही में शो 'भोजपुरी बवाल' में दावा किया था कि जब अक्षरा के मुश्किल दौर में इंडस्ट्री का एक बड़ा हिस्सा उनसे दूरी बना रहा था, तब उन्होंने खुलकर उनका साथ दिया था। आम्रपाली ने कहा कि अगर अक्षरा के साथ खड़े होने की वजह से पवन सिंह उनसे नाराज होते या उनके साथ काम नहीं करना चाहते, तो उन्हें इसकी परवाह नहीं थी। अब अक्षरा सिंह ने आम्रपाली के इन बयानों पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि वह किसी की मदद या अपने रिश्तों का हिसाब लेकर मीडिया के सामने नहीं बैठना चाहतीं। यह बहुत पुरानी बात है और अब इसे बार-बार सामने लाने की जरूरत नहीं है। अक्षरा ने कहा, ''मैं इस बारे में कोई लिस्ट लेकर नहीं बैठी हूं कि मीडिया में आकर यह बताऊं कि मैंने क्या किया, किसने क्या किया या उसने क्या किया। हर इंसान की गरिमा होती है और मुझे लगता है कि हमें इसे मनोरंजन का साधन नहीं बनाना चाहिए। मैं इस बारे में बार-बार क्या ही बोलूं, यह तो बहुत पुरानी बात हो चुकी है। मुझे इन सब बातों पर हंसी आती है। अब यह बात नहीं निकलनी चाहिए। इस बात को जमाना हो गया है।'' अक्षरा ने खास तौर पर आम्रपाली के उस बयान पर भी बात की, जिसमें उन्होंने कहा था कि अक्षरा ने बाहर आकर यह कहा कि इंडस्ट्री में किसी ने उनका साथ नहीं दिया, जबकि वह मुश्किल समय में उनके साथ थीं। अक्षरा ने कहा, ''आम्रपाली को मेरी किसी बात से तकलीफ हुई थी, तो उन्हें सीधे फोन करके पूछना चाहिए था। अगर किसी बात को लेकर गलतफहमी थी, तो दोनों के बीच बातचीत से उसे साफ किया जा सकता था। अब वह किसी एक बात को लेकर रो रही हैं। मुझे इस बारे में इतनी जानकारी नहीं है कि वे वास्तव में किस बात को लेकर रो रही हैं। मुझे अभी तक यह भी समझ में नहीं आया है कि आखिर क्या बात हुई है?''

इस पूरे मामले की शुरुआत आम्रपाली दुबे के 'भोजपुरी बवाल' में दिए बयान से हुई। शो में होस्ट शुभंकर मिश्रा ने उनसे सवाल किया था कि उन पर आरोप है कि उन्होंने अक्षरा को छोटी बहन माना, उनके साथ तस्वीरें शेयर कीं, लेकिन जब अक्षरा मुश्किल दौर से गुजर रही थीं, तब वह उनके साथ खड़ी नहीं हुईं।

इसके जवाब में आम्रपाली ने कहा था कि उन्होंने उस समय अक्षरा का साथ दिया था, जब इंडस्ट्री में यह चर्चा थी कि अक्षरा के साथ नजर आने पर पवन सिंह उनके साथ काम करना बंद कर देंगे। इसके बावजूद उन्होंने अक्षरा के साथ खड़ा होना चुना। उस दौर में जब लोग अक्षरा के साथ तस्वीरें तक खिंचवाने से बच रहे थे, तब मैं उनके साथ खड़ी थी। पवन सिंह के नाराज होने की भी मैंने परवाह नहीं की। जब अक्षरा ने बाद में कहा कि इंडस्ट्री में किसी ने उनका साथ नहीं दिया, तो मुझे बहुत दुख हुआ। अक्षरा को मैंने छोटी बहन दिल से माना था और उनकी बातों ने मुझे चोट पहुंचाई। आम्रपाली ने दावा किया कि पवन सिंह की शादी वाले दिन उन्होंने अक्षरा के लिए उनसे फोन पर बहस की थी। वह पवन से पूछ रही थीं कि वह ऐसा क्यों कर रहे हैं?

दरअसल, अक्षरा सिंह और पवन सिंह का रिश्ता लंबे समय तक भोजपुरी इंडस्ट्री में चर्चा का विषय रहा। दोनों के रिश्ते के टूटने के बाद अक्षरा ने पवन पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। साल 2019 में उन्होंने पवन सिंह के खिलाफ पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई थी, जिसमें धमकी देने और सोशल मीडिया पर उनकी छवि खराब करने जैसे आरोप लगाए गए थे। ब्रेकअप के बाद अक्षरा ने कई मौकों पर यह भी कहा था कि उन्हें इंडस्ट्री में अकेलेपन और मुश्किल दौर का सामना करना पड़ा। वहीं आम्रपाली और अक्षरा की दोस्ती को लेकर भी समय के साथ कई तरह की बातें सामने आती रहीं। इसी बीच अक्षरा अपने काम को लेकर भी चर्चा में हैं। वह हिंदी फिल्म 'ईठा' में श्रद्धा कपूर के साथ नजर आएंगी। अक्षरा ने कहा, ''इस फिल्म का हिस्सा बनने पर मैं बेहद खुश हूं।

सेवा और समरसता को जनआंदोलन बनाने का किया आह्वान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा और समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भाजपा द्वारा चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा और समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भाजपा द्वारा चलाए जा रहे ह्यसेवा संकल्प अभियानह्न तथा ह्यश्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियानह्न के तहत सोमवार को भाजपा जिला भिलाई कार्यालय, प्रियदर्शनी परिसर सुपेला में कार्यक्रम आयोजित किया गया। वाराणसी स्थित संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर से लाई गई पवित्र मिट्टी के कलश जिले के सभी 13 मंडलों के लिए वितरित किए गए। इस दौरान जिला पदाधिकारी एवं कार्यसमिति सदस्यों की मासिक बैठक भी हुई।

कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिला भिलाई संगठन प्रभारी रामजी भारती, क्रेडा अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी तथा छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल अध्यक्ष नीलू शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन ने की। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

भूपेंद्र सवन्नी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष राष्ट्रसेवा, समर्पण और जनकल्याण की प्रेरणादायी यात्रा हैं। संत रविदास महाराज ने सामाजिक भेदभाव समाप्त कर समानता और समरसता का संदेश दिया। दोनों अभियानों का उद्देश्य सेवा और समाज को जोड़ना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से इन्हें व्यापक जनभागीदारी का रूप देने का आह्वान किया।

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक होंगे कार्यक्रम

कार्यक्रम प्रभारी एवं जिला महामंत्री सुषमा जेठानी ने बताया कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा एवं समर्पण दिवस के तहत विभिन्न सेवा एवं जनकल्याणकारी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इनमें समाज के विभिन्न वर्गों की अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा। मंच संचालन जिला महामंत्री मनीष अग्रवाल ने किया। बैठक में जिला पदाधिकारी, कार्यसमिति सदस्य, मंडल अध्यक्ष एवं महामंत्री, विभिन्न मोर्चों व प्रकोष्ठों के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में कार्यकर्ताओं ने सेवा, समर्पण, सामाजिक समरसता, समानता और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को मंडल एवं बूथ स्तर तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

रामजी भारती ने कहा कि सेवा और समरसता एक-दूसरे के पूरक हैं। संत रविदास महाराज का जीवन सामाजिक समानता, भाईचारे और समरसता की प्रेरणा देता है। मंडलों में वितरित कलश सामाजिक एकता और समरसता के संकल्प के प्रतीक हैं। कार्यकर्ता इन्हें मंडल, शक्ति केंद्र और बूथ स्तर तक ले जाकर अभियान को जनआंदोलन बनाएं।

नीलू शर्मा ने कहा कि सेवा केवल जरूरतमंदों की सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर चलना भी सेवा का महत्वपूर्ण स्वरूप है। वहीं विधायक रिकेश सेन ने कहा कि जब समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचेगी और प्रत्येक व्यक्ति को समान सम्मान मिलेगा, तभी सशक्त एवं समरस समाज का निर्माण होगा।

भाजपा जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन ने कहा कि सेवा भाजपा की कार्यसंस्कृति का हिस्सा है। सेवा संकल्प अभियान जनसेवा की भावना को मजबूत करने का माध्यम है, जबकि समरसता संकल्प अभियान समाज को एकजुट करने का कार्य करेगा।

रसमड़ा में भक्ति और उल्लास से सराबोर रहा दही हांडी उत्सव, थनौद की टोली प्रथम

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग।

ग्राम रसमड़ा में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर भव्य दही हांडी उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर शामिल हुए। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की और जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं।

अपने उद्बोधन में विधायक ने कहा - दही हांडी उत्सव नटखट कान्हा की माखन लीला की स्मृतियों को जीवंत करता है। यह सामूहिकता, साहस, एकता और लक्ष्य के प्रति समर्पण का संदेश देता है। कृष्ण के आदर्शों को आत्मसात कर प्रेम और सद्भाव से समृद्ध समाज बनाएं।

प्रतियोगिता में खुर्सुल, नगपुरा, रसमड़ा, सिलोदा और थनौद की टीमों ने भाग लिया, जिसमें थनौद की टोली प्रथम रही। सुरही लोक कला मंच की लोक संस्कृति प्रस्तुति ने मन मोह लिया। इस अवसर पर जिला पंचायत सभापति प्रिया साहू, जनपद अध्यक्ष कुलेश्वरी देवांगन, जनपद सदस्य नंदू साहू, जिला मंत्री गिरेश साहू, सरपंच मोतीम निषाद, महामंत्री चेतन साहू, सरपंच संघ अध्यक्ष राजू यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

बीएसपी में मैकेनिकल संगठन के लिए 'सतर्कता संवाद'

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 के पूर्व चलाए जा रहे सतर्कता जागरूकता अभियान के तहत भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) के सतर्कता विभाग ने 5 सितंबर को मैकेनिकल संगठन के लिए ह्यसतर्कता संवादह्न कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) द्वारा निर्धारित इस वर्ष की थीम ह्यसत्यनिष्ठा से समृद्धिह्न पर केंद्रित रहा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं अतिरिक्त मुख्य सतर्कता अधिकारी सुनील सिंगल तथा मुख्य महाप्रबंधक (मैकेनिकल) विवेक वर्मा ने की। सत्र का संचालन उप महाप्रबंधक (सतर्कता) मो. नौशाद आलम एवं नवनीत शर्मा ने किया।

कार्यक्रम में मैकेनिकल संगठन के वरिष्ठ अधिकारियों सहित 20 से अधिक कमर्चारियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान क्रय एवं क्रियान्वयन से संबंधित चुनौतियों, प्रक्रियाओं में सामने आने वाली संभावित अनियमितताओं और उनसे जुड़े केस स्टडी पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने कार्यप्रणाली के दौरान आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों को साझा किया तथा व्यवस्थाओं को मजबूत बनाने और दैनिक कार्यों में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए सुझाव दिए।

सतर्कता संवाद ने सतर्कता अधिकारियों और परिचालन अधिकारियों के बीच खुले संवाद के लिए प्रभावी मंच प्रदान किया। कार्यक्रम में व्यावहारिक समस्याओं और व्यवस्था में संभावित सुधारों पर विचार-विमर्श किया गया। बीएसपी सतर्कता विभाग के अनुसार, यह पहल निवारक सतर्कता, पारदर्शिता और कार्यप्रणाली में सत्यनिष्ठा के प्रति संयंत्र की प्रतिबद्धता को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

वैकल्पिक वित्तीय साधनों की जानकारी उद्यमियों के लिए जरूरी : अजय भसीन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

स्वावलंबी भारत अभियान एवं छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की भिलाई इकाई के संयुक्त तत्वावधान में वैकल्पिक वित्तीय साधनों एवं व्यवसाय के लिए उपलब्ध विभिन्न वित्तीय विकल्पों को लेकर कार्यशाला आयोजित की गई। इसका उद्देश्य उद्यमियों एवं व्यापारियों को पारंपरिक वित्तीय व्यवस्था के साथ वैकल्पिक वित्तीय साधनों की जानकारी देना तथा बेहतर वित्तीय निर्णय लेने के लिए जागरूक करना था।

कायर्शाला में सीए अरिहंत बोथरा ने विभिन्न वैकल्पिक वित्तीय साधनों, उनकी उपयोगिता, संभावनाओं और व्यवसाय में उनके प्रभावी उपयोग की जानकारी दी। उन्होंने प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए वित्तीय प्रबंधन से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर मार्गदर्शन प्रदान किया।

महामंत्री अजय भसीन ने कहा कि व्यापार एवं उद्योग के बदलते स्वरूप को देखते हुए उद्यमियों के लिए नए वित्तीय विकल्पों की जानकारी होना आवश्यक है। चेयरमैन दिनकर बसोतिया ने कहा कि इस तरह की कायर्शालाएं व्यापारियों एवं उद्यमियों को आर्थिक रूप से सक्षम और आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। भिलाई चेंबर अध्यक्ष गार्गी शंकर मिश्रा ने उद्यमियों से विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाकर देश को आत्मनिर्भर बनाने में योगदान देने का आह्वान किया। कायर्शाला के आयोजन में संयोजक गौरव मोंगिया, अतुल सिंह (भास्कर फाउंडेशन) एवं अभिषेक का विशेष सहयोग रहा। कायर्शाला में करीब 35 से 40 उद्यमियों एवं नए स्टार्टअप युवाओं ने हिस्सा लिया और वित्तीय क्षेत्र से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से यह जानकारी शंकर सचदेव ने दी।चाहें तो मैं इसका दैनिक भास्कर/हरिभूमि शैली का छोटा 180-200 शब्दों का संस्करण भी तैयार कर सकता हूं।

बीएनसी मिल को फिर से टेक्सटाइल यूनिट के रूप में चालू करने की मांग

भाजपा नेता अशोक चौधरी ने सीएम को लिखा पत्र

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह के बीच छत्तीसगढ़ में टेक्सटाइल उद्योग लगाने की चर्चा के बाद राजनांदगांव में बीएनसी मिल को पुनः शुरू करने की मांग उठी है।

भाजपा नेता अशोक चौधरी ने कहा कि राजा बलराम दास ने 1887 में बंगाल नागपुर कॉटन मिल (बीएनसी) की स्थापना की थी। बंगाल से नागपुर तक यह पहला कॉटन मिल था। 2002 में अव्यवस्थाओं के चलते बंद हो गया। उस साल बंद हुई 3 मिलों में से बुरहानपुर की मिल को सूत कताई यूनिट के रूप में फिर चालू किया गया, जहां आज 6000 मजदूर कार्यरत हैं।

चौधरी ने बताया कि बीएनसी मिल की 54 एकड़ जमीन एनटीसी के पास खाली पड़ी है और टेक्सटाइल मिल एनटीसी ही संचालित करती है। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि नई टेक्सटाइल यूनिट राजनांदगांव में स्थापित की जाए। इससे प्रारंभ में 1500 लोगों को रोजगार मिलेगा और बाद में संख्या बढ़ेगी। पूरी योजना बीएनसी मिल कार्यालय में तैयार है।

छत्तीसगढ़ ने तमिलनाडु को हराकर जीता 48वां अखिल भारतीय विद्युत बोर्ड टेबल टेनिस खिताब

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज की मेजबानी में आयोजित 48वीं अखिल भारतीय विद्युत खेल नियंत्रण बोर्ड (अकएरउइ) टेबल टेनिस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ ने चैंपियनशिप जीत ली। सेमीफाइनल में छत्तीसगढ़ ने पिछली चैंपियन तमिलनाडु को 3-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में पहली बार टूर्नामेंट में पहुंची असम की टीम को भी 3-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया। असम उपविजेता रही, तमिलनाडु तीसरे और ङ्ढळउछ चौथे स्थान पर रही।

छत्तीसगढ़ की ओर से रजनीश ओबेराय, अनुराग शर्मा और समीर तिवारी ने शानदार खेल दिखाया। टीम में अनिल अग्रवाल, प्रशांत बापट और सागर पिंपलापुरे भी शामिल रहे। एकल और युगल के सेमीफाइनल-फाइनल 8 सितंबर को होंगे। पुरस्कार वितरण समारोह 8 सितंबर दोपहर 3 बजे होगा, जिसमें प्रबंध निदेशक एसके कटियार, राजेश कुमार शुक्ला और भीम सिंह कंवर मुख्य अतिथि रहेंगे।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100